वर्ष-07, अंक - 151 | दिनांक 16 नवंबर 2023 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2021-23

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

मोदी की गारंटी भाजपा का भरोसा

मध्य प्रदेश संकल्प पत्र

सशक्त नारी

- लाड़ली बहनों को मासिक आर्थिक सहायता के साथ मिलेगा पक्का मकान
- ₹450 में गैस सिलेंडर
- गरीब परिवार की छात्राओं को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा देंगे
- 15 लाख ग्रामीण महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण द्वारा लखपति बनाएंगे
- लाड़ली लक्ष्मियों को जन्म से 21 वर्ष तक कुल ₹2 लाख देंगे

समृद्ध किसान

- किसानों से ₹2700 प्रति क्विंटल पर गेहूं और ₹3100 प्रति क्विंटल पर धान की होगी खरीद
- किसान सम्मान निधि और किसान कल्याण योजना से किसानों को सालाना ₹12,000
- सभी लघु और सीमांत किसानों, खेतिहर श्रमिकों एवं बटाईदार किसानों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करेंगे
- मुख्यमंत्री सिंचाई टास्क फोर्स का गठन करेंगे जो प्रदेश में ₹32,000 करोड़ की सिंचाई परियोजनाओं को समय पर पूरा करेगी

जनजातीय कल्याण

- जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण के लिए ₹3 लाख करोड़
- तेंदूपत्ता संग्रहण दर करेंगे ₹4,000 प्रति बोरा
- एसटी ब्लॉक में एकलव्य विद्यालय और एसटी बहुल जिलों में खुलेगा मेडिकल कॉलेज

उत्तम शिक्षा एवं सक्षम युवा

- गरीब परिवार के सभी छात्रों को 12वीं कक्षा तक मुफ्त शिक्षा
- सरकारी स्कूल में मिड-डे मील के साथ मिलेगा पौष्टिक नाश्ता
- IIT और AIIMS के तर्ज पर खुलेगा मध्य प्रदेश इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी और मध्य प्रदेश इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस
- प्रत्येक परिवार में कम से कम एक सदस्य को रोजगार अथवा स्वरोजगार के अवसर

सबका साथ सबका विकास

- 5 सालों तक गरीबों को मिलता रहेगा मुफ्त राशन
- मध्यप्रदेश का कोई भी परिवार बेघर नहीं रहेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ ही मुख्यमंत्री जन आवास योजना शुरू करेंगे

सुदृढ़ आधारभूत संरचना

- 6 नए एक्सप्रेस-वे का निर्माण- विंध्य एक्सप्रेस वे, नर्मदा, अटल प्रगति, मालवा निमाड़, बुंदेलखंड एवं मध्य भारत विकास पथ
- 80 रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण के साथ वंदे मेट्रो, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन और रीवा, सिंगरौली और शहडोल में बनेंगे हवाई अड्डे

स्वस्थ प्रदेश

- ₹20,000 करोड़ के निवेश से स्वास्थ्य व्यवस्था बनेगी हाई-टेक, हॉस्पिटल और आईसीयू में बिस्तरों की संख्या होगी दोगुनी
- 5 लाख से ज्यादा व्यय होने पर आयुष्मान भारत के सभी लाभार्थियों को सीएम रिलीफ फंड के अंतर्गत मिलेगा लाभ
- डॉक्टर, नर्स एवं पैरा-मेडिकल स्टाफ की रिक्तियां शीघ्र भरेंगे साथ ही प्रत्येक जिले में नर्सिंग कॉलेज स्थापित करेंगे

प्रगतिशील अर्थव्यवस्था एवं औद्योगिक विकास

- मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अगले 7 वर्ष में ₹45 लाख करोड़ की बनाकर देश की शीर्ष 3 अर्थव्यवस्थाओं में लाएंगे
- प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करेंगे
- एक्सप्रेस-वे के पास औद्योगिक कॉरिडोर का निर्माण करेंगे जिससे 4.5 लाख से अधिक युवाओं को मिलेंगे रोजगार और स्वरोजगार के अवसर

सुशासन एवं कानून व्यवस्था

- भोपाल एवं इंदौर के बाद जबलपुर और ग्वालियर में कमिश्नर प्रणाली लागू करेंगे
- भोपाल में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के नए परिसर का निर्माण

सांस्कृतिक धरोहर एवं विकसित पर्यटन

- 13 सांस्कृतिक लोकों का होगा भव्य निर्माण
- सभी जनजातीय नायकों के भव्य स्मारकों का निर्माण
- ₹7,500 करोड़ के निवेश के साथ 2 लाख युवाओं को पर्यटन के क्षेत्र में प्रशिक्षण और रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर

प्रकाशक- एसजी बीजेपी, प्रदेश कार्यालय

कमल का बटन दबाएं भाजपा को जिताएं

भाजपा का संकल्प पत्र डाउनलोड करने के लिए QR कोड स्कैन करें

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से WhatsApp के ज़रिए सीधे जुड़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

चुनाव 2023

चेहरा एक अदद

कांग्रेस का नया मॉडल और मुकाबले का नया अंदाज

आशीष दुबे

'ये तो चेहरे का फक़त अक्स है, तस्वीर नहीं..इस पर कुछ रंग अभी और चढ़ाते रहिए' मप्र के विधानसभा चुनाव में रोज उभरने वाले कुछ खास व गाढ़े चित्रों के पीछे ऐसे सियासी चित्रकारों की कूची भी काम करती है, जो चित्रों के रंगों को चटख बनाती है। सत्ता में जमी भाजपा हो या सत्ता पाने को बेताब कांग्रेस, दोनों शिविरों में चुनिंदा ऐसे चेहरे हैं, जो सोते-जागते चुनावी कैनवास में रंग उड़ेल रहे हैं। कुछ मैदान में नजर आते रहे हैं, कुछ वॉर रूम में। चेहरे के पीछे चेहरा तलाशने की कोशिश में आज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व प्रदेशाध्यक्ष *कमलनाथ..*

मप्र में कांग्रेस की राजनीति में पांच साल पहले तक कमलनाथ वह शक्तिकेंद्र रहे, जो सिर्फ महसूस होता था मगर अब साफ नजर आता है। वैसे तो नब्बे के दशक से कमलनाथ का असर मप्र में कांग्रेस की उथलपुथल के बीच देखा जाने लगा था, मगर अब वे अपने फुलफिलमेंट के लिए शक्ति लगा रहे हैं। दरअसल नाथ ने 2013 के विस चुनाव के वक्त कहा था- किसी भी नेता के लिये अपने राज्य का मुख्यमंत्री बनना करियर के फुलफिलमेंट की तरह होता है। नाथ को यह 2018 में हासिल हुआ, लेकिन बेहद छोटा। इसीलिये यह चुनाव अल्पकालिक कांग्रेस सरकार व नाथ के फुलफिलमेंट की लड़ाई बन गया है। यह आर-पार वाली लड़ाई भी है, कुछ ऐसी जैसे - '*आखिरी कोशिश भी करके देखते हैं, फिर उसी दर से गुजरते देखते हैं।*' नाथ को ज्यादा व्यवस्थित काम करने वाला नेता माना जाता है, उनके करीबी बताते हैं कि उनके पास हर सीट व हर अंचल तक के लोगों का पूरा डाटा रहता है, वे जब मप्र कांग्रेस के अध्यक्ष नहीं बने थे, तब भी उनके पास यही तैयारी थी। अब यह ज्यादा व्यापक है, नाथ समर्थक अब बकायदा एक आकार में हैं, यह आकार साढे पांच साल पहले नहीं था, जब नाथ दिल्ली से भोपाल आए थे।

कमलनाथ के साढ़े पांच साल के अध्यक्षीय कार्यकाल को करीब से देखने वाले मानते हैं कि वे हाइकमान शैली में काम करते हैं, वे अक्सर पहले निर्णय करते हैं और बाद में उस पर मुहर लगवाते हैं। पार्टी के प्रभारी महासचिव बदलने का मामला हो या पीसीसी में नियुक्तियों का, कांग्रेस के 'सेंटर' में पचास साल काम के चलते उनका असर हर वक्त झलकता है। नाम न छापने की शर्त पर एक नेता का कहना है कि उनसे बेतकल्लुफ हो जाने वाले एकमात्र नेता दिग्विजय सिंह भी कमराबंद बैठकों में अपने सीनियर की तरह उनसे पेश आते हैं।

खास बात यह कि, नाथ को विपक्ष के मामले में सौजन्यवादी नेता भी माना जाता है, जैसा पुरानी पीढी के नेता होते थे, लेकिन अपने *अनुभव व दर्द* से इस बार चुनाव में वे बहुत आक्रामक हैं, उन्होंने अपनी सरकार को गिराए जाने का दर्द बखूबी जनता के सेंटीमेंट्स के साथ जोड़ने का प्रयास करके चुनाव को नाथ बनाम शिवराज-भाजपा बना लिया है, लेकिन जब वे कहते हैं- मैं 2018 वाला कमलनाथ नहीं हूं, मैं 2023 का मॉडल हूं, तो आसपास खड़े लोगों के कान खड़े हो जाते हैं। नाथ ने यह जुमला चुनाव के आखिरी सात दिनों में इस्तेमाल करना शुरू किया, जाहिर है, इससे भाजपा में भी हलचल होती है और उसके खैरख्वाहों में भी। सवाल भी उठता है कि क्या नाथ सौजन्यवादी अपनी छवि को खुद तोड़ना चाहते हैं या कंकर फेंककर लहरें भांपने की कोशिश कर रहे हैं? क्या उनका यह संदेश भाजपा के लिए ही है, या 'सिंधिया अनुभव' के बाद कांग्रेस के गुटों के लिए भी है...?

इलेक्शन डायरी

राजेश सिरोठिया

कई सीटों पर सीधे शिवराज की प्रतिष्ठा दांव पर

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की अदा सबसे निराली है। वैसे तो वह काफी देख समझकर फैसले करते हैं। लेकिन कभी कभी उनके फैसले चौंकाते हैं। ये फैसले अंतत~ उनकी प्रतिष्ठा का प्रश्न बन जाते हैं। लेकिन वह सबकी परवाह किए बगैर अपने फैसलों को अंजाम देने और उसे सही साबित करने के लिए युद्ध स्तर पर जुट जाते हैं। 2018 की तरह ही 2023 में भी उनके कई फैसलों ने चौंकाया है। विदिशा से पिछला चुनाव हारे अपने खास समर्थक मुकेश टंडन की उम्मीदवारी से लेकर कुरवाई में हरीसिंह सप्रे, शमशाबाद से सूर्यकांत मीणा इंदौर के राऊ विस क्षेत्र में मधु वर्मा इसकी जीती जागती मिसाल है। फिर वह भोपाल उत्तर में आलोक शर्मा से लेकर सोहागपुर होशंगाबाद में विजयपाल सिंह पर भी दांव खेल जाते हैं। शिवराज की जिद और जुनून को देखा जाए तो कई सीटों पर उन्होंने प्रतिकूलताओं की लहरों को काटते हुए इनमें से कई नामों की नैया को पार लगा दिया है। बावजूद इसके कुछ सीटें फंस गई हैं तो उनको आखिरी क्षणों तक सुलझाने की कोशिश वह कर रहे हैं। चुनाव प्रचार थमने के पहले शिवराज ने भोपाल उत्तर क्षेत्र में आलोक शर्मा के लिए पूरा दांव लगाते हुए उन्हें जिताने के जतन किए हैं। शिवराज की इस अदा पर दो पंक्ति याद आ रही हैं कि -जीत की खातिर बस जुनून चाहिए, जिसमें ऊबाल हो ऐसा खून चाहिए, यह आसमां भी आएगा जमीं पर, बस इरादों में जीत की गूंज चाहिए

अपनों के लिए जोर लगाने निकले दिग्गीराजा

यूं तो प्रदेश कांग्रेस का प्रचार प्रसार पूरी तरह से कमलनाथ पर केंद्रित था। दिग्विजय सिंह की तो छोड़िए गांधी परिवार के तीनों महत्वपूर्ण सदस्य यानि सोनिया गांधी से लेकर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी तक प्रदेश कांग्रेस के पोस्टर्स से गायब थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकर्जुन खरगे की तो बात ही छोड़िए। दिग्विजय सिंह तो मैदानी चुनाव प्रचार से दूर थे। बावजूद इसके अपने जिन समर्थकों को दिग्विजय सिंह ने जिद करके टिकट दिलवाए उनको जिताने के लिए उन्हें मैदान में उतरना ही पड़ा। भोपाल की गोविंदपुरा सीट पर कांग्रेसी प्रत्याशी और उनके साथ नर्मदा परिक्रमा करने वाले रवींद्र साहू झूमरवाला से लेकर खंडवा की मांधाता सीट पर उत्तम पाल सिंह की जीत के लिए जोर लगाया। ऐसे कई और नाम थे जिनके लिए दिग्गी राजा ने जोर लगाया। परदे के पीछे से कमलनाथ की जीत के लिए मेंटर की भूमिका निभाने वाले दिग्विजय सिंह की जिम्मेदारियां आने वाले दिनों में और भी बढने वाली है। दफ्तर में होमवर्क से लेकर मैदानी सभाओं में जुटे कमलनाथ के लिए दिग्विजय सिंह से बड़ा सहारा कोई और नहीं हैं।

सिंधिया के खिलाफ आखिरी दौर में मुंह खोला प्रियंका ने

मध्यप्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान कभी कांग्रेस में अपने सहयोगी रहे केंद्रीय मंत्री और अब भाजपा के नेता ज्यातिरादित्य सिंधिया को लेकर प्रियंका गांधी ने आखिरकार हमला बोल ही दिया। वैसे तो 23 जुलाई को ग्वालियर की सभा में प्रियंका गांधी ने कांग्रेस के नेताओं को आगाह कर दिया था कि पूरी कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में सिर्फ और सिर्फ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी भाजपा सरकार को घेरना है। कांग्रेसियों को अपना फोकस हटाकर सिंधिया या अन्य भाजपा नेताओं पर कतई केंद्रित नहीं करना है। लेकिन चुनाव प्रचार थमने के आखिरी दिन दतिया में प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिसरा के खिलाफ आयोजित सभा में प्रियंका ने ज्योतिरादित्य सिंधिया पर बहुत तंज कसे। उन्होंने 2017 के यूपी विधानसभा के चुनावों को याद करते हुए कहा कि इस चुनाव में सिंधिया उनके सहयोगी थे। लंबे कद काठी की प्रियंका ने कहा कि वैसे तो सिंधिया कद में काफी छोटे हैं लेकिन उनका अंहकार काफी बड़ा है। यूपी में वैसे तो नेताओं को महाराज या राजा जैसे संबोधनों से नहीं नवाजा जाता। लेकिन चुनाव के दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ता उनसे कहते थे कि सिंधिया चाहते हैं कि उन्हें महाराज कहकर संबोधित किया जाए। प्रियंका ने कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस में रहकर कुछ किया हो या नहीं लेकिन महाराज के संबोधन की अपने राजघराने की परंपरा का खूब निर्वहन किया है। प्रियंका के इन कटाक्षों के बाद कांग्रेसी इस उधेड़बुन में हैं कि आखिर प्रियंका ने सिंधिया के खिलाफ मुंह क्यों खोला। कुछ कांग्रेसी प्रेक्षक मानते हैं कि सिंधिया पिछले कुछ दिनों से गांधी परिवार को घेर रहे थे जिसके चलते उन्हें भी पलटवार के लिए अपना मुंह खोलना पड़ा।

खिलाड़ी परदे के पीछे के

कांग्रेस हो या भाजपा जब चुनाव होते हैं तो कई मैदानी जंग लड़ते हैं तो कई मैदान से परे परदे के पीछे रहकर जंग में रसद पानी का इंतजाम करते हैं। प्रदेश कांग्रेस दफ्तर में संगठन महामंत्री राजीव सिंह से लेकर पूर्व विधायक और संसदीय सचिव रह चुके प्रकाश जैन इसी भूमिका में थे। प्रत्याशियों को अधिकृत करने वाले बी फार्म के इंतजामों से लेकर असंतुष्टों को मनाने और जमीनी फीड बैक कमलनाथ तक पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका रही। उधर भाजपा की बात करें तो प्रदेश भाजपा के संवाद प्रमुख आसीष अग्रवाल से लेकर मिलन भार्गव और कार्यालय मंत्री राघवेंद्र शर्मा भी अपनी टीम के साथ मैदान में डटे भाजपाई सैनिकों को सहयोग देते रहे। केंद्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला से लेकर राकेश त्रिपाठी तक राष्टीय चैनलों पर मप्र में भाजपा का पक्ष रखने के साथ ही दिल्ली से आने वाले खबरनीवसों का ध्यान रखते रहे।

विधानसभा चुनाव के प्रचार का शोर थमा अब रणनीतिक बैठकें

अब सभाओं व रोड शो के असर का आकलन करने में जुटी भाजपा-कांग्रेस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद राजनीतिक दलों ने अब डोर टू डोर संपर्क का फोन प संवाद का सिलसिला चला रखा है। मगर इससे पहले दोनों प्रमुख दलों की तरफ से ताबडतोड सभा की गईं। अब इन सभा के असर को भांपने की कोशिश हो रही है। उप्र के मुखयंत्री योगी आदित्यनाथ ने मप्र की सभाओं में कहा कि सरकार बदलने से क्या परिवर्तन हो सकते हैं, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने दिखाया है। काशी विश्वनाथ धाम में पहले एक साथ पांच लोगों का जाना मुश्किल था। आज 50 हजार लोग भी चले जाएं, तो जगह की कमी नहीं होगी। केदारनाथ धाम कांग्रेस के समय में तबाह हो चुका था, लेकिन मोदी सरकार ने उसका पुनरुद्धार कराया। उज्जैन में महाकाल महालोक बना है और अयोध्या में श्री राम का भव्य मंदिर तैयार है। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस होती तो क्या देश से आतंकवाद और नक्सलवाद समाप्त हो पाते? कांग्रेस देश को सुरक्षा नहीं दे सकती, विकास और गरीब कल्याण के काम नहीं कर सकती। योगी ने पन्ना के पवई और अशोकनगर में सभाओं को संबोधित किया वहीं **मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान** ने आखिरी दिन करीब दर्जनभर स्थानों पर चुनाव प्रचार किया। उन्होंने कुल 165 से भी ज्यादा विधानसभाओं में जनसभा को संबोधित किया है। इन तूफानी दौरों के अंतिम दिन बुधवार को भी शिवराज, भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में सोहागपुर, पिपरिया, घोड़ाडोंगरी, खातेगांव, आष्टा, इछावर, भोजपुर, कुरवाई, भोपाल उत्तर, नरेला और हुजुर समेत 12 विधानसभाओं में जनता-जनार्दन के बीच पहुंचे और संवाद किया। अंत में सीएम शिवराज ने भोपाल के कोलार से प्रदेशवासियों के नाम संदेश देते हुए संबोधित किया एवं सभी भाजपा

प्रत्याशियों को जिताकर भाजपा सरकार बनाने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भ्रम फैलाने वाली पार्टी, झांसे में मत आना। इन्होंने कहा था किसानों का कर्जमाफ कर देंगे लेकिन कर्जमाफी तो दूर उल्टा किसानों को डिफाल्टर बना दिया। इन्होंने कहा था कि, बेरोजगारों को भत्ता देंगे लेकिन एक धेला नहीं दिया।

वहीं **कमलनाथ** ने अपनी सभाओं में कहा कि हम किसानों का कर्ज फिर से माफ करेंगे, हमारी सरकार आने पर हम गेहूं के लिए 2600 रूपये और धान के लिए 2500 रूपये समर्थन मूल्य देंगे। हम बच्चियों के विवाह के लिए एक लाख एक हजार रूपये देंगे।

आयोग को ज्ञापन : केंद्रीय रेल मंत्री व प्रदेश चुनाव सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के एक प्रतिनिधि मंडल ने भिंड जिला दंडाधिकारी द्वारा 17 नवंबर मतदान के दिन भिंड जिले में वाहनों के संचालन पर पूरी तरह से रोक लगाने की शिकायत चुनाव आयोग में की है। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने भिंड जिला दंडाधिकारी के आदेश को निरस्त कराने की मांग के साथ उन्हें हटाकर नए अधिकारी को पदस्थ किए जाने की मांग की है। भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने चुनाव आयोग से मांग की है कि अगर मध्यप्रदेश के किसी अन्य जिले में अधिकारियों द्वारा वाहनों के उपयोग पर प्रतिबंद्ध लगाये जाने संबंधी आदेश यदि जारी करते हैं, तो उन पर भी तत्काल रोक लगाई जाए।

दक्षिण पश्चिम विसः सरकारी कर्मचारी करते हैं हार जीत का बड़ा अंतर तय, इस बार ओल्ड पेंशन स्कीम बड़ा मुद्दा?

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल की दक्षिण पश्चिम विधानसभा अपने आप में बेहद खास है। सबसे हाई प्रोफाइल सीटों में से एक दक्षिण पश्चिम विधानसभा सीट से इस बार भाजपा ने पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता का टिकट काटकर भगवान दास सबनानी को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं कांग्रेस ने पीसी शर्मा को मैदान में उतारा है, जिन्होंने साल 2018 में कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। ज्यादातर समय इस सीट पर बीजेपी का कब्जा रहा है। इस सीट पर करीब 2 लाख 31 हजार मतदाता है। यह सरकारी कर्मचारी बाहुल्य सीट है। लिहाजा, यहां ओल्ड पेंशन स्कीम सबसे बड़ा मुद्दा है। सरकारी अधिकारी-कर्मचारी बाहुल्य सीट पर 75 प्रतिशत मतदाता सामान्य वर्ग और ओबीसी के हैं। 17 फीसदी के साथ एससी वोटर भी असर रखते हैं। दक्षिण पश्चिम विधानसभा में भोपाल की सबसे बड़ी बाजार न्यू मार्केट, झुग्गी बस्ती और पॉश इलाके शामिल हैं। कहीं-कहीं मूलभूत सुविधाओं को लेकर शिकवे है, दोनों उम्मीदवारों के दावों व वादों पर चर्चाए हो रही हैं।

दक्षिण पश्चिम विस में अब तक की स्थिति

दक्षिण पश्चिम विधानसभा सीट पर 1990 से अब तक 5 बार बीजेपी के विधायक चुने गए हैं, जबकि दो बार कांग्रेस के प्रतिनिधि बने। 1998 और 2018 में कांग्रेस से पीसी शर्मा यहां से विधायक चुने गए। जिन्होंने उमाशंकर गुप्ता को मात दी थी। कमलनाथ की सरकार में मंत्री भी रहे हैं। जबकि 2003 से 2013 तक बीजेपी से उमाशंकर विधायक रहे। बीजेपी विधायक रहते उमाशंकर को मंत्रिमंडल में भी जगह मिली।इसके पहले 1990 और 1993 में भी यहाँ बीजेपी का ही कब्जा रहा है।

यह हैं जातिगत का समीकरण : दक्षिण पश्चिम विधानसभा सीट पर जातिगत समीकरण की बात की जाए, तो यहां सबसे ज्यादा दलित वोटर 55 हजार है। कायस्थ 32 हजार, ब्राह्मण 25 हजार, मुस्लिम 30 से 35 हजार, ओबीसी करीब 24 हजार हैं। इस सीट पर मुस्लिम मतदाता मात्र 4 फीसदी हैं। इस सीट पर दलित समाज के लोग वोट बैंक का एक बड़ा हिस्सा हैं, जो कि हार जीत का बड़ा अंतर तय करते है। सरकारी कर्मचारी बाहुल्य इस सीट पर 75 प्रतिशत मतदाता सामान्य वर्ग व ओबीसी के हैं। इस सीट पर करीब 2 लाख 31 हजार मतदाता है।

1990 में मिला था जम्बूरी नाम, पहले कहलाता था 'बहादुरगढ़ मैदान'

अब राजनीतिक पार्टियों का अखाड़ा है राजधानी का यह मैदान

होती हैं बड़ी-बड़ी सभाएं और कार्यक्रम, क्या वाकई भाजपा के लिए शुभंकर है यह मैदान

भोपाल। राजधानी का जम्बूरी मैदान भोपाल के इतिहास और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। चुनाव हो या फिर प्रदेश स्तर का कोई बड़ा कार्यक्रम, ऐसे में जम्बूरी मैदान सभी राजनीतिक पार्टियों के लिए स्थान चयन सूची में पहले स्थान पर होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई दिग्गज नेताओं की सभाएं और कार्यक्रम आए दिन इस मैदान में होते हैं। खास बात यह भी है कि भाजपा इसे अपने लिए शुभंकर मानती है। शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री के रूप में इस मैदान में कई बार शपथ ली है। उन्होंने सरकार की तमाम महत्वाकांक्षी योजनाएं इसी मैदान से लाखों लोगों की मौजूदगी में लांच की हैं। राजनीतिक या सामाजिक संगठनों की बड़ी सभाएं और सम्मेलन इसी मैदान पर होते रहे हैं। आइए जानते हैं इस मैदान को जम्बूरी नाम मिलने के पीछे का किस्सा क्या है।

1990 में ही इस मैदान का नवीनीकरण हुआः दरअसल जम्बूरी मैदान का नाम 'जम्बूरी' शब्द से लिया गया है, जो स्काउट और गाइड कार्यक्रम है। बताया जाता है कि कई दशक पहले विश्व जम्बूरी भोपाल में आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम के लिए एक बड़े मैदान की आवश्यकता थी, जिसके लिए इस मैदान को चुना गया था। साल 1990 में मध्यप्रदेश भारत-स्काउट एंड गाइड को इस संगठन के राष्ट्रीय आयोजन की जिम्मेदारी मिली थी, तभी से इस मैदान को जम्बूरी मैदान का नाम मिला। 1990 में ही इस मैदान का नवीनीकरण हुआ था।

1934 के दौरान कहा जाता था 'बहादुरगढ़ मैदान': नवाबी दौर में साल 1934 के दौरान यह जम्बूरी मैदान 'बहादुरगढ़ मैदान' के नाम से जाना जाता था. भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड लिनलिथगो ने भोपाल में इसी मैदान पर एक राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया था।

करीब 100 एकड़ क्षेत्र में फैला, 10 लाख लोगों की क्षमता : जम्बूरी मैदान भोपाल का एक प्रमुख सार्वजनिक स्थान है। यह मैदान राजधानी के बीएचईएल क्षेत्र में स्थित है। करीब 100 एकड़ के एरिया में फैला यह मैदान इतना बड़ा है कि यहां एक अनुमान के मुताबिक 10 लाख से ज्यादा लोग बैठ सकते हैं। यहां कई तरह के कार्यक्रम और आयोजन होते हैं।

जंबूरी मैदान से जुड़े हैं कई मिथक: इस मैदान का लेकर भाजपा के तमाम बड़े नेता मानते हैं कि भेल भोपाल का यह जम्बूरी मैदान भाजपा के लिए शुभंकर है। भाजपा का सन् 2008, 2013 और 2018 में कार्यकर्ताओं का महाकुंभ जम्बूरी मैदान पर ही आयोजित हुआ था और 2023 के विधानसभा चुनाव इसी मैदान पर भाजपा कार्यकर्ताओं का महाकुंभ भी आयोजित किया गया। इस विधानसभा चुनाव का चुनावी शंखनाद भी इसी मैदान से भाजपा कर चुकी है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष-3, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 151 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
16 नवम्बर 2023 गुरुवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
19 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

मप्र में मतदान कल, कांग्रेस और भाजपा जुटीं *जरूरी होमवर्क* में

दोनों शिविरों में तैयारियों का दौर, आज होगा रतजगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में चुनाव प्रचार थमने के बाद अब भाजपा और कांग्रेस के शिविरों में मतदान के लिये जरूरी रणनीतियों पर काम किया जा रहा है। दोनों दलों के मुखिया अपने उम्मीदवारों और रणनीतिकारों के संपर्क में हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज भोपाल में हैं वहीं कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ छिंदवाडा में हैं। आज राजनीतिक दलों के लिये रतजगे का वक्त है। माना जा रहा है कि भाजपा व कांग्रेस के तमाम रणनीतिकार व उम्मीदवार संपर्क संवाद और अपने बूथ मैनेजमेंट पर ध्यान केंदित किये हुए है। दलों के मुडख्यालों से भी लगातार जरूरी निर्देश व हिदायते दी जा रही हैं। वहीं कांग्रेस ने अपने सभी 230 प्रत्याशियों ने शपथ पत्र पर हस्ताक्षरयुक्त वचन जारी किया है। इसमें कांग्रेस की सभी गारंटियों को पूरा करने का वचन है। कांग्रेस ने दावा किया है कि यह वचन लोगों पर गहरा असर छोड़ रहा है। इसमें भ्रष्टाचार मुक्त प्रगतिशील मध्य प्रदेश का वादा है। मप्र के किसी विधानसभा चुनाव में किसी पार्टी ने प्रत्याशियों ने इस तरह शपथ पद पर कभी गारंटी नहीं दी थी। वहीं भाजपा अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भाजपा ने संकल्प से सिद्धि तक के सफर के आधार पर प्रचार-प्रसार किया। जनता के नाम प्रधानमंत्री की प्रेम की पाती भी आई।

इधर बड़ामलहरा भाजपा प्रत्याशी प्रद्युमन सिंह की पत्नी पर एफआईआर दर्ज होने की खबरे हैं। बताया जाता है कि ग्राम कायन में भाजपा प्रत्याशी की पत्नी ने आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए कार्तिक स्नान करने वाली कतकारियों को पैसे व सामग्री बांटी। इसका वीडियो वायरल होने के बाद गुलगंज थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है।

कल भाजपा का 12 पर जोर, खिलाड़ियों ने निकाला स्कोर!

आशीष दुबे/भोपाल।

सत्ता का संघर्ष निर्णायक दौर में है। प्रचार बंद होने के बाद कांग्रेस व भाजपा तेजी से अपना होमवर्क पूरा करने में जुटी है। मगर भाजपा के भीतरी गलियारों में तीन चार शब्दों की एक बात तेजी से एक बात सरगोशी कर रही है तथा भाजपा के तमाम *हेडमास्टर्स* इसे अपने कॉडर को कंठस्थ कराने में जुटे है, वह है 17 नवंबर को 12 बजे तक ! यह भाजपा के चुनावी मिशन का हिस्सा है तथा वोट प्रतिशत इस चिंता का मूल आधार है।

सूत्रों की मानें तो भाजपा ने पिछले चार पांच दिनों में अपने आंतरिक अनुमानों व रिपोर्ट्स के बाद पूरा जोर मतदान केंद्रों पर लगा दिया है। पार्टी 17 नवंबर को मतदान के दिन हर हाल में दोपहर 12 बजे तक अपने कॉडर व जाहिर समर्थकों के अलावा 'भाजपा परसेप्शन' वाले मतदाताओं को चिन्हित कर उन्हें पोलिंग बूथ तक लाने व वोट डलवाने का लक्ष्य तय कर चुकी है। सभी को संदेशे भेजे जा चुके हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि भाजपा का मतदाता यदि सुबह जल्द बूथ तक पहुंच गया तो 'डबल माइंड' होने से भी बचेगा। पार्टी 130 सीटें जुटाने का लक्ष्य लेकर काम कर रही है। मगर भाजपा को सबसे बड़ी चिंता मत प्रतिशत की है, पिछले चुनाव में यह कांग्रेस से महज बमुश्किल आधा प्रतिशत ही ज्यादा रहा था,लेकिन भाजपा की सीटें कम हो गई थीं। इस बार भी रिपोर्टस ने चेताया है कि मत-प्रतिशत में कमी नुकसान की वजह बन सकती है। दूसरी तरफ कांग्रेस की रणनीति में मत प्रतिशत बढाने व बूथ पर पिछली बार से बेहतर मैनेजमेंट की है। पार्टी ने अपनी मजबूत और कमजोर सीटों पर अलग अलग चेहरों के बूते जोर लगाया है। कांग्रेस हर हाल में ग्वालियर चंबल में अपनी लीड बरकरार रखना चाहती है जबकि महाकोशल व विंध्य से उसे बहुत उम्मीदें हैं।

***भाजपा** हर हाल में एक सौ तीस सीटें जीतने की स्थिति में हैं, इससे ज्यादा सीटें भी आएं तो आश्चर्य नहीं होना चाहिये। पार्टी ने उम्मीदवारों का चयन भी पूरी तैयारी से किया और डबल गारंटी भी मतदाताओं को दी है।*
-आशीष अग्रवाल

कांग्रेस स्पष्ट व सुविधाजनक बहुमत की तरफ बढ चुकी है, मतदाता अब अठारह साल के कुशासन व अत्याचार से मुक्ति चाहता है, भाजपा किसी भी सूरत में अपनी सरकार नहीं बचा पाएगी।- ***केके मिश्रा***

एल्विश मामले में पुलिस ने पेश किये ठोस सबूत

नई दिल्ली , एजेंसी।

नोएडा पुलिस ने जेल में बंद पांच आरोपियों की दोबारा रिमांड के लिए संबंधित न्यायालय में अर्जी लगाई मगर अंतिम फैसला बुधवार को भी नहीं आया। रिमांड के लिए पुलिस ने इस केस से संबंधित ठोस सबूत कोर्ट में पेश किए हैं। वहीं, केस में मिला अहम सबूत लाल डायरी को भी पुलिस आधार बनाकर कोर्ट में पेश कर सकती है। वहीं, गुरुवार को मुख्य आरोपी राहुल की 24 घंटे की रिमांड नोएडा पुलिस को दी गई है। जिससे अन्य आरोपियों की जल्द से जल्द रिमांड मिल सके और इस केस में कई और बड़े खुलासे किए जा सकें। वहीं, यूट्यूबर एल्विश यादव मामले की जांच अब डायरी को आधार बनाकर आगे बढ़ रही है।

केस में पुलिस डायरी को अहम सबूत के तौर पर इस्तेमाल करने की तैयारी में है। पहले चरण में 54 घंटे की रिमांड के दौरान केस से संबंधित कई राज ऐसे थे, जो अब भी पुलिस के लिए मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। डायरी में मिले मोबाइल नंबर और मध्यस्थ का इलेक्ट्रॉनिक डेटा बेस पुलिस तैयार कर रही है। इसमें सोशल मीडिया नेटवर्किंग साइट से भी डेटा लिया जा रहा है।

वैशाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में लगी आग

इटावा , एजेंसी।

वैशाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में आग लगनेकी घटना हुई है। ट्रेन नंबर 12554 दिल्ली से सहरसा जा रही थी। इस बीच फ्रेंड्स कॉलोनी इलाके के मैनपुरी आउटर फाटक के पास ट्रेन के कोच में अचानक आग लग गई। हादसे में 19 यात्री घायल हो गए, जिनमें से 11 यात्रियों को सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी भेजा गया है। वहीं, आठ यात्रियों को मुख्यालय के डॉ.भीमराव अंबेडकर राजकीय संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।हादसे के शिकाााअधिकांश रेल यात्री छठ पूजा में शामिल होने जा रहे थे। ग्रामीण इलाके के एसपी सत्यपाल सिंह ने बताया कि आग एस-6 कोच में लगी थी। जैसे ही सूचना मिली रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। इस हादसे में किसी जनहानि की खबर नहीं है और न ही किसी को नुकसान पहुंचा है। गाड़ी 30-35 मिनट के लिए रोकी गई थी।

खरीद नीतियां :जयशंकर ने कहा- आपके शुक्रिया का इंतजार है

नई दिल्ली , एजेंसी।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अपनी रणनीतिक खरीद नीतियों पर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, भारत की खरीद नीतियों ने वैश्विक मुद्रास्फीति को प्रबंधित किया। उन्होंने वैश्विक तेल और गैस बाजारों को स्थिर करने में भारत की भूमिका पर जोर दिया। लंदन में भारतीय उच्चायोग द्वारा 'एक अरब लोग दुनिया को कैसे देखते हैं' शीर्षक से आयोजित कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वैश्विक मामलों में भारत की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने कहा, हमने वास्तव में अपनी खरीद नीतियों के जरिए तेल बाजारों और गैस बाजारों को नरम कर दिया है। हमने वास्तव में वैश्विक मुद्रास्फीति को प्रबंधित किया है। मैं आपके धन्यवाद का इंतजार कर रहा हूं। कार्यक्रम में बातचीत करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, भारत ने वैश्विक तेल की कीमतों में बढ़ोतरी को रोक दिया है। बाजार में यूरोप के साथ संभावित प्रतिस्पर्धा को रोका जा सका। वैश्विक बाजारों में भारत के महत्व को स्वीकार करते हुए जयशंकर ने कहा, हमने देखा कि एलएनजी बाजारों में जहां वास्तव में कई आपूर्ति जो पारंपरिक रूप से एशिया में आ रही थीं, उन्हें यूरोप में भेज दिया गया था। ऐसे बहुत से छोटे देश थे जिन्हें पेरिस में अपनी निविदा पर प्रतिक्रिया भी नहीं मिली क्योंकि एलएनजी आपूर्तिकर्ता अब उनके साथ सौदा करने में रुचि नहीं रखते थे।

सेना-बीआरओ ने पूरा किया तीस्ता नदी पर बेली पुल

नई दिल्ली। भारतीय सेना के त्रिशक्ति कोर के जवानों ने बीआरओ की सहायता से चुंगथांग में तीस्ता नदी पर बेली ब्रिज पूरा किया। इसके पूरा होने से अंततः उत्तरी सिक्किम के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र राज्य के बाकी हिस्सों से जुड़ गए। उल्लेखनीय है कि तीन अक्तूबर की रात को आए भयंकर बाढ़ के बाद ये हिस्से कट गए थे। पुल अब इन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में वाहनों की निर्बाध आवाजाही और राहत सामग्री के प्रावधान का मार्ग प्रशस्त करेगा। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने गुवाहाटी में बताया कि 200 फीट का बेली ब्रिज अपने आप में एक इंजीनियरिंग चमत्कार है क्योंकि यह सबसे लंबा और सबसे भारी सिंगल स्पैन बेली ब्रिज है।

उत्तराखंड में भूकंप के झटके, तीव्रता 3.1 मापी गई

देहरादून । उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.1 मापी गयी है। भूकंप के झटके लगते ही लोगों में अफरातफरी मच गई और लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। उत्तरकाशी जिला आपदा प्रबंधन अभिकरण के प्रभारी डीएस पटवाल ने बताया कि भूकंप के झटके बुधवार देर रात 02:02:10 बजे महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.1 मापी गयी। भूकंप का केन्द्र 31 04 उत्तरी अक्षांशः एवं 78.23 पूर्वी देशांतर पर सतह से पांच किलोमीटर की गहराई पर तहसील मोरी अन्तर्गत सांकरी के सिंगतुर रेंज वन क्षेत्र में स्थित था।

मेट्रो एंकर विधायक उमेश कुमार अब शमी के सफर पर लिखेंगे किताब- 30 डेयज विद शमी

कभी सुसाइड करना चाहते थे शमी कमरे में पहरा देते थे घरवाले...!

नई दिल्ली , एजेंसी।

अगर मुझे मेरे परिवार का साथ नहीं मिलता तो मैं क्रिकेट छोड़ देता. मैंने 3 बार खुदकुशी करने के बारे में सोचा था. मेरा घर 24वीं मंजिल पर था और मेरे परिवार को लगता था कि मैं कहीं अपार्टमेंट से कूद न जाऊं। यह शब्द एक वक्त भारत के स्टार गेंदबाद मोहम्मद शमी के थे। तब वे अपनी जिंदगी के सबसे कठिन दौर में थे। लेकिन समय के साथ-साथ कठिनाइयां कम हुईं और शमी इतिहास लिखने लगे। उन्होंने बीती रात न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में 7 विकेट चटकाकर भारत को शानदार जीत दिलाई। इसी मैच में वह वनडे क्रिकेट में चौथी बार पांच विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। अब वर्ल्ड कप में 50 विकेट लेने वाले वह पहले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। मगर पिछले कुछ वर्षों से शमी कई आरोपों और विवादों से जुड़े रहे. यही वो समय था जब उन्होंने एक बार नहीं, तीन-तीन बार सुसाइड करने की ठान ली थी. ये वो समय था जब शमी 2015 वर्ल्ड कप के बाद चोट से वापसी कर रहे थे और उनकी पर्सनल लाइफ में बहुत उथल-पुथल मची थी. लेकिन किस्मत में कुछ और ही लिखा था. परिवार का साथ मिला और वह अपने बुरे वक्त से लड़कर इस मुकाम तक पहुंचे।

इंस्टाग्राम लाइव पर दास्तां

दरअसल, 2020 में कोरोनाकाल के दौरान एक रोहित शर्मा के साथ इंस्टाग्राम लाइव में शमी ने सुसाइड का ख्याल आने वाली बात का खुलासा किया था. उन्होंने कहा था, मैं 2015 वर्ल्ड कप में चोटिल हो गया था. इसके बाद टीम में वापसी करने में मुझे 18 महीने लगे और वह मेरे जीवन का सबसे मुश्किल दौर था. आप जानते हैं कि रिहैब कितना मुश्किल होता है और उसके बाद पारिवारिक समस्याएं. ये सब चल रहा था और इसी बीच आईपीएल से 10-12 दिन पहले मेरा एक्सीडेंट हो गया. मीडिया में काफी कुछ चल रहा था मेरे निजी मुद्दों को लेकर शमी ने आगे कहा था, 'मुझे लगता है कि अगर मेरे परिवार का साथ मुझे नहीं मिलता तो मैं क्रिकेट छोड़ देता. मैंने तीन बार खुदकुशी करने के बारे में भी सोचा था. मेरे परिवार में से किसी को मुझ पर नजर रखने के लिए मेरे पास बैठना होता था. मेरा घर 24वीं मंजिल पर था और उन्हें लगता था कि मैं कहीं अपार्टमेंट से कूद न जाऊं'।

मतदान दल रवाना

विधानसभा चुनाव के लिए होने वाले मतदान की तैयारी पूरी हो गई है। आज मतदान सामग्री लेकर मतदान दलों को बूथ के लिए रवाना किया गया।

अपने बूथ पर सर्वाधिक मतदान कराने वाले बीएलओ को 25-25 हजार रुपये देने की हुई थी घोषणा

ईनाम की घोषणा के बावजूद भी कई घरों में मतदाताओं तक नहीं पहुंची पर्चियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए की गई ईमान दिए जाने की घोषणा के बावजूद भी कई मतदाताओं के घरों तक मतदाता पर्चियां नहीं पहुंची है। यह स्थिति गुरुवार दोपहर की है। शुक्रवार सुबह से वोटिंग होनी है।

यह हाल तब है जब आयोग की ओर से भोपाल जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा था कि सर्वाधिक मतदान कराने वाले पांच-पांच बीएलओ को 25-25 हजार रुपये ईनाम दिया जाएगा।

हालांकि ज्यादातर बीएलओ ने पर्चियां वितरण के लिए खुद को झोंक दिया है। ऐसे बीएलओ के क्षेत्रों में पर्ची का वितरण भी पूरा हो गया है लेकिन शहर के कई क्षेत्रों से मतदाताओं की शिकायतें आ रही हैं कि उन्हें पर्चियां नहीं मिली है। बैरागढ़ के कुछ मतदाता तो बुधवार को जिला निर्वाचन आयोग को शिकायत भी कर चुके हैं।

यह की थी घोषणा

सर्वाधिक मतदान कराने वाले पांच-पांच बीएलओ को 25-25 हजार रुपये दिए जाएंगे। साथ ही प्रथम स्थान पर रहने वाले सेक्टर अधिकारी को 50 हजार, द्वितीय स्थान पर रहने वाले सेक्टर अधिकारी को 20 और तृतीय स्थान पाने वाले सेक्टर अधिकारी को 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

सातों विधानसभा क्षेत्रों से मतदाता कर रहे पर्चियां नहीं मिलने की शिकायतें

भोपाल जिले में सात विधानसभा है। इनमें 2049 मतदान केंद्रों पर वोटिंग होनी है। यहां 20 लाख 87 हजार 32 मतदाताओं को वोटिंग करनी है। इन्हें पर्चियां बांटी जानी थी लेकिन गुरुवार दोपहर तक कई मतदाताओं तक ये पर्चियां नहीं पहुंची है। पर्चियां बांटने का काम बीएलओ को करना था। यदि दक्षिण, पश्चिम-पश्चिम, नरेला, उत्तर और मध्य क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों पर बीएलओ ने पर्चियां ही वितरित नहीं की है।

यहां नहीं बंटी पर्चियां

नरेला विधानसभा क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में केंद्र नंबर-30 से लेकर 35 तक आते हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय ने पहले ही मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण में यहां के मतदाताओं को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया था। जबकि इन कालोनियों में पहले से सेंट जार्ज स्कूल की बिल्डिंग में मतदान किया जाता था। यहां के करीब आठ सौ मतदाताओं को डेढ़ किलोमीटर दूर स्थित विश्वकर्मा नगर स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल में शिफ्ट कर दिया गया है। इधर बुधवार तक इस क्षेत्र में बीएलओ ने मतदाता पर्चियां नहीं बांटी है।

विधानसभा क्षेत्र	कुल पर्चियां	वितरित की जा चुकी पर्चियां
गोविंदपुरा	3,93,213	3,93,213
दक्षिण- पश्चिम	2,32,953	1,31,517
मध्य	2,47,454	2,20,122
हुजूर	3,70,806	2,59,564
उत्तर	2,45,386	1,61,991
नरेला	3,49,123	1,81,302
बैरसिया	2,48,097	2,34,793
कुल	20,87,032	15,82,502

नोट: बुधवार शाम तक बांटी गई मतदाता पर्चियों का विवरण, संबंधित अधिकारियों के हवाले से।

कल मतदान के दिन अपने प्रतिष्ठान बंद रखेंगे व्यापारी

भोपाल। विधानसभा चुनावों के लिए कल शुक्रवार को वोटिंग होनी है। इसे देखते हुए शहर के व्यापारिक संगठनों ने निर्णय लिया है कि इस दिन अपने प्रतिष्ठान बंद रखे जाएंगे, ताकि इन प्रतिष्ठानों में सेवाएं देने वाले कर्मचारी वोट डाल सकें।

भोपाल चेंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह पाली ने बताया कि बुधवार को चेंबर ने व्यवसायियों की बैठक बुलाई थी। इसमें मतदान के दिन प्रतिष्ठानों को बंद करने की निर्णय लिया गया। श्री सराफा एसोसिएशन, भोपाल होलसाल रेडीमेड एवं होजरी व्यापारी संघ, वस्त्र व्यवसाय संघ, किराना व्यापारी महासंघ, बर्तन सहित सभी व्यवसाय संघों से जुड़े व्यवसायी दुकानें बंद रखेंगे।

कल होने वाले मतदान के लिए 16 हजार कर्मचारी ले रहे सामग्री, रात तक बूथों पर पहुंचेंगे

भोपाल। विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को होने वाली वोटिंग के लिए 16 हजार अधिकारी, कर्मचारी तैनात है। ये लाल परेड ग्राउंड में सुबह से सामग्री ले रहे हैं जिसके बाद इन्हें देर रात तक मतदान बूथों पर पहुंचना है।

जिले में सात विधानसभा है और इनमें 2049 केंद्र बनाए हैं जिन पर 20 लाख से अधिक मतदाता मतदान करेंगे।

ऐसे वितरित की जा रही सामग्री

- एक काउंटर से एक बार में 14 कर्मचारियों को सामग्री वितरित की रही है। इसके बाद वह विधानसभा क्षेत्र में मतदान केंद्र के लिए बसों के द्वारा रवाना हो रहे हैं।
- 16 हजार से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी के लिए चुना गया है। ये अधिकारी कर्मचारी 500 बसों से केंद्रों के लिए रवाना हो रहे हैं।

कोई शराब बांट रहा हो तो यहां करें शिकायत

बुधवार शाम से चुनाव प्रचार - प्रसार थम गया है। मतदान खत्म होने तक शराब दुकानें भी बंद करा दी गई हैं। अब कोई प्रचार -प्रसार करता है या शराब का वितरण करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे लोगों के खिलाफ मोबाइल नंबर - 89892-96832 पर, हेल्पलाइन नंबर 1950 और सीविजल एप पर शिकायत की जा सकती है।

स्कूली शिक्षा: प्रदेश के मात्र 8,077 स्कूलों में दर्ज हो रही है ऑनलाइन उपस्थिति

अधर में एप हाजिरी व्यवस्था, 91,068 स्कूल नहीं कर रहे आदेश का पालन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सरकारी स्कूलों के लिए शुरू की गई एप हाजिरी व्यवस्था कागजों में सिमट कर रह गई है। विभाग द्वारा एक साल पहले ऑनलाइन एप के माध्यम से हाजिरी दर्ज कराने की व्यवस्था लागू की थी। हालात यह है कि प्रदेश के मात्र 8,077 स्कूल ही इस हाजिरी एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। जबकि प्रदेश में 99,145 सरकारी स्कूल है। यानि 91,068 स्कूल इस व्यवस्था का पालन ही नहीं कर रहे हैं।

दरअसल, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 7 अक्टूबर 2022 को ऑनलाइन एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने व्यवस्था लागू करने के संबंध में सभी जिलों के कलेक्टर को आदेश जारी किए गए थे। जारी आदेश में कहा गया था कि शैक्षणिक गुणवत्ता में उपलब्धि के लिए यह आवश्यक है कि बच्चे शाला में नियमित रूप से उपस्थित हो। इस व्यवस्था को लागू करने के साथ ही स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य, जिला एवं विकासखंड स्तर पर इसकी दैनिक मॉनिटरिंग की बात कही थी, लेकिन अधिकारियों की अनदेखी के चलते न तो इसकी मॉनिटरिंग हो रही है और न ही स्कूल स्तर पर इसका पालन।

नाम दिया था ऑनलाइन अटेंडेंस सिस्टम

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस व्यवस्था को ऑनलाइन अटेंडेंस सिस्टम नाम दिया गया था। इसके लिए मोबाइल एप भी तैयार किया गया है। विभाग द्वारा बकायदा शिक्षकों को टेबलेट भी दिए गए हैं। एम शिक्षा मित्र एप को प्ले स्टोर से डाउनलोड कर हाजरी मॉड्यूल के माध्यम से स्कूल के प्राचार्य, प्रधानाध्यापक व संस्था प्रभारी विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे।

ऑफलाइन भी उपयोग किया जा सकता है

खास बात यह भी है कि प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में सामान्यत: मोबाइल नेटवर्क की समस्या होती है। ऐसे में इस एप को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह ऑफलाइन भी उपयोग किया जा सकता है। यूजर नेटवर्क एरिया में आने पर डेटा स्वत: अपलोड हो जाएगा। खास बात यह भी है कि शिक्षक और बच्चों की उपस्थिति शाला प्रारंभ होने के एक घंटे के अंदर दर्ज की जा सकेगी।

आरएसके ने लगाई थी जिलों को फटकार

20 नवंबर तक करनी होगी टैबलेट खरीदी की प्रक्रिया पूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग की करीब एक साल से चल रही टैबलेट खरीदी की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। शिक्षक टैबलेट खरीदने में रूचि नहीं दिखा रहे हैं। वहीं जिलों में अधिकारी भी इस व्यवस्था को लागू नहीं करा पा रहे हैं। ऐसे में राज्य शिक्षा केंद्र (आरएसके) ने सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी और विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को फटकार लगाई है। आरएसके ने एक और मौका देते हुए 20 नवंबर तक अनिवार्य रूप से टैबलेट खरीदने के निर्देश दिए हैं।

आरएसके ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सरकारी स्कूलों में पदस्थ सभी व्याख्याता, उच्च माध्यमिक शिक्षक एवं गणित, विज्ञान, अंग्रेजी विषय के उच्च श्रेणी शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक के द्वारा 20 नवंबर तक टैबलेट खरीद लिए जाएं। नवंबर माह की स्थिति में कुल लक्ष्य 44 हजार के विरुद्ध पंजीयन एवं क्रय की स्थिति काफी न्यूनतम है। वर्तमान स्थिति के अनुसार 32,334 पंजीयन हुए हैं। प्रतिपूर्ति जमा 23,334 बीआरसी द्वारा तकनीकी सत्यापन 21,435 और रिम्बर्समेंट कार्यवाही पूर्ण 16 हजार की हुई है।

10 फरवरी को होगी नवोदय प्रवेश परीक्षा

भोपाल। जवाहर नवोदय स्कूल में कक्षा 9वीं और 11वीं में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। यह परीक्षा 10 फरवरी 2024 को सुबह 11 बजे से आयोजित की जाएगी। भोपाल में इस परीक्षा के लिए दो परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा में हिन्दी, अंग्रेजी, गणित और विज्ञान के बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।

प्रश्नपत्र द्विभाषीय होगा और उत्तर ओएमआर शीट में अंकित करने होंगे। इसी प्रकार कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा में मानसिक अभिरूचि, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। प्रश्नपत्र द्विभाषीय होगा। उत्तर ओएमआर शीट में अंकित करने होंगे।

मेट्रो एंकर ग्रामीण क्षेत्रों में चला जागरूकता अभियान

बच्चों ने माता-पिता को दिलवाई मतदान करने की शपथ

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान के लिए जागरूकता अभियान चल रहा है। वहीं स्कूलों में बच्चों को माता-पिता से वोट के लिए आग्रह करने की शपथ दिलाई जा रही है।

ज्वाला कान्वेंट स्कूल में मतदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बच्चों को अपने माता-पिता से मतदान करने का आग्रह करने की शपथ दिलाई गई। स्कूल के प्राचार्य राज बतरा ने लोकतंत्र में मतदान की ताकत के बारे में बच्चों को बताया।

वहीं माधुरी आयाम एज्युकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी मतदाता जागरूकता अभियान चला रही है। 17 नवंबर होने वाले मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान के लिए वोटरों को प्रेरित कर रही है, इसे लेकर जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

जागरूकता अभियान दल खेतों में काम कर रहे मजदूरों, किसानों, गांव की दुकानों पर पहुंची। मतदाताओं को मत का महत्व बताया और आने 17 नवंबर को मतदान की अपील की। दल ने समसगढ़, केकड़िया, भानपुर, अमरपुरा, खाकरडोल, रसूलिया, फतेहपुर डोबरा, समसपुरा, बरखेड़ी बाजयफ्त, में जागरूकता अभियान चलाया। अभियान दल में विभा जोशी, विकास जैन, सीमा, मंजू, तरूणा, रंजीत यादव, मनोज श्रीवास्तव शामिल रहे।

सिंधी समाज का दीपावली मिलन कार्यक्रम, प्रबुद्धजनों से चर्चा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी समाज ने दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी प्रबुद्धजनों से चर्चा की और दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेल आधुनिकीकरण की दिशा में गति से बढ़ रहा है, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 1309 रेलवे स्टेशनों को उत्कृष्ट यात्री सुविधाओं से लैस किया जाना का कार्य शुरू हो गया है, भोपाल का संत हिरदाराम नगर स्टेशन भी शामिल है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेलवे के आने वाले 50 वर्षों के विज़न को ध्यान में रखते इस अमृत भारत स्टेशन योजना को क्रियान्वित किया है। इस अवसर पर वैष्णव ने लोगों को संत नगर स्टेशन का प्रस्तावित मॉडल भी अपने मोबाइल में दिखाया।

कार्यक्रम में जयकिशन लालचंदानी, मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी, नितेश लाल, जयपाल सचदेव, डॉ मालती भोजवानी, दीपक लालचंदानी, राजेंद्र मनवानी, डॉ. सुरेश भंबानी, रवि आनंद सहित समाज के गणमान्य लोग शामिल हुए।

कैसे हो पाएगा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान, जब मतदान केंद्र की दूरी 2 से लेकर 8 किलोमीटर होगी

दूर दूर तक पैदल या निजी वाहनों के अलावा आवागमन का कोई साधन नहीं

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

निर्वाचन आयोग द्वारा असहाय, निशक्त और बीमार और वृद्धि मतदाताओं के शत प्रतिशत मतदान हेतु मतदान दल द्वारा घर-घर जाकर वोट डलाई गई है वही मतदान केन्द्र की दूरी 2 से लेकर 8 किमी होना एक आश्चर्य का विषय है क्योंकि इन मतदान केन्द्र तक पहुंचाने के लिए कोई भी बस या टेंपो की सुविधा उपलब्ध नहीं है, मतदाताओं को पैदल या अपने निजी वाहनों से ही वोट डालने जाना होगा। ऐसे में शत प्रतिशत मतदान कैसे होगा ? यह चिंता और संशोधन का विषय है।

चुनाव आयोग द्वारा इस चुनाव में ज्यादा से ज्यादा अर्थात शत प्रतिशत मतदान हो इसके लिए सार्थक उपाय किए गए हैं किंतु मतदान केंद्रों की दूरी मतदान प्रतिशत को प्रभावित करने के लिए अहम भूमिका निभा रही है। सिवनी मालवा क्षेत्र में ऐसे कुछ मतदान केंद्र हैं जहां से मतदान गांव की दूरी 2 किलोमीटर से लेकर 8 किलोमीटर दूर है यही नहीं इन ग्रामों से मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए कोई भी बस ऑटो रिक्शा या अन्य साधन उपलब्ध नहीं है मतदाताओं को अपने निजी वाहन या फिर पैदल ही वोट डालने जाना होगा लेकिन इस समय किसानों की खेती बाड़ी का समय चल रहा है ऐसी स्थिति में पूरे दिन के लिए वोट डालने जाना कठिन सा प्रतीत हो रहा है। सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला पर उबड खाबड़ रास्तों से होकर मतदान के लिए पहुंचना कठिनाई भरा है।

1. **आदिवासी** अंचल में मतदान केंद्र बारासेल है जिसके अंतर्गत आने वाले गांव में 3 किमी दूर नापुपुरा और 7 किमी दूर ग्राम बैठ है । जहां से मतदाताओं को ग्राम बारासेल वोट डालना होगा । जहां आने-जाने का कोई साधन उपलब्ध नहीं है ।
2. **सतपुड़ा** पर्वत पर एक मतदान केंद्र पीपलगोट स्थित है । जिससे नयागांव 3 किमी, बासपानी 5 किमी और जटामऊ 8 किलोमीटर दूर स्थित है । इन ग्रामों से मतदान केंद्र पहुंचने के लिए कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं है ।
3. **नर्मदा** तट पर मतदान केंद्र नई पापन है द्य नई पापन में कुल 365 मतदाता है जिसे मतदान केंद्र बना दिया गया है लेकिन ढाई किलोमीटर दूर ग्राम पुरानी पापन स्थित है जहां 485 मतदाता है । इस प्रकार पुरानी पापन के मतदाताओं को ढाई किलोमीटर दूर नई बापन मतदान के लिए जाना होगा ।
4. **नर्मदा** तट पर डिमावर मतदान केंद्र है । इस मतदान केंद्र से 8 किमी दूर ग्राम कजली और 8 किमी दूर ग्राम चांदगढ़ स्थित है । इस मतदान केंद्र में कुल 450 मतदाता ग्राम दीमापुर में है जबकि शेष 453 मतदाता 8 किलोमीटर दूर ग्राम कजली और चांदगढ़ में है जिन्हें अपना मतदान करने के लिए 8 किलोमीटर दूर जाना होगा ।

चुनाव आयोग को जनसंख्या के आधार पर केंद्र बनाने, संख्या बढ़ाने और फिर निरीक्षण के समय ध्यान दिया जाना चाहिए था । यदि निरीक्षण करने वाले अधिकारी मतदान केंद्रों से जुड़े ग्रामों की संख्या और मतदान केंद्र से संबंधित ग्रामों की दूरी की रिपोर्ट प्रस्तुत करते । तब सैकड़ो मतदाताओं को कई किलोमीटर दूर मतदान करने के लिए नहीं जाना पड़ता।

1306 मतदान दलों को विधानसभावार मतदान केंद्र आवंटित

5224 कर्मचारी 17 नवंबर को कराएंगे मतदान...

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में विधानसभा निर्वाचन में कुल 5224 कर्मचारी मतदान संपन्न कराएंगे। जिले के चारों विधानसभा में निर्धारित कुल 1187 मतदान केंद्रों पर 1306 मतदान दल नियोजित किए गए हैं, जिनमें 698 मतदान केंद्रों पर पुरुष, 208 केंद्रो पर केवल महिलाएं एवं 281 मतदान केंद्रों पर दो पुरुष और दो महिलाएं मतदान कराएंगे। साथ ही 119 मतदान दल रिजर्व रखे गए हैं।

बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित एनआईसी में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह एवं निर्वाचन प्रेक्षकों की उपस्थिति में सीईएमएस पोर्टल के माध्यम से कर्मचारियों का तृतीय रेंडमाईजेशन किया गया। इस रेंडमाइजेशन के द्वारा विधनसभा निर्वाचन हेतु अधिकारियों ,कर्मचारियों एवं माइक्रो ऑब्जर्वर के रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया पूर्ण हुई। जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी मनीष गुणवान द्वारा पोर्टल पर रेंडमाइजेशन किया गया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रक्रिया से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए कर्मचारियों को मतदान केंद्र आवंटित किए गए हैं। इससे पूर्व भी ईवीएम का रेंडमाईजेशन सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के सामने कराया जा चुका है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में मतदान प्रक्रिया को पूर्ण रूप से पारदर्शी एवं निष्पक्षता से कराने के लिए रेंडमाइजेशन किया गया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि रेंडमाइजेशन की इस प्रक्रिया से मतदान दलों का गठन किया गया है तथा उन्हें विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र आवंटित किये गए हैं। विधानसभा निर्वाचन में सभी विधानसभा क्षेत्रों में ऑल वुमेन मैनेज पोलिंग बूथ भी बनाए गए हैं। जहां केवल महिला मतदान कर्मियों की ड्यूटी रहेगी। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार ये सभी महिला मतदान कर्मी संबंधित विधानसभा क्षेत्र से ही रहेंगी।

विधानसभा का चुनाव कराने गठित मतदान दलों में शामिल अधिकारियों -कर्मचारियों की तृतीय रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षकों की मौजूदगी में संपन्न हुई। होशंगाबाद और सिवनीमालवा विधानसभा के केंद्रीय सामान्य प्रेक्षक आर गिरिश और सोहागपुर और पिपरिया के प्रेक्षक सुहास एस मौजूद रहे. प्रेक्षकों द्वारा जिला प्रशासन द्वारा संपन्न कराई गई रेंडमाईजेशन की कार्यवाही पर संतोष व्यक्त किया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह, उपसंचालक कृषि जे आर हेडाऊ सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। डीआईओ गुणवान ने बताया कि सिवनीमालवा विधानसभा के 318 मतदान केंद्रों के लिए 350 मतदान दल, होशंगाबाद विधानसभा के 238 मतदान केंद्रों के लिए 262 मतदान दल, सोहागपुर के 314 मतदान केंद्रों के लिए 345 मतदान दल एवं पिपरिया के 317 मतदान केंद्रों के लिए 349 मतदान दलों को केंद्र आवंटित किए गए। 335 क्रिटिकल मतदान केंद्रों के लिए केंद्रवार माइक्रो ऑब्जर्वर भी नियोजित किए गए हैं। सिवनीमालवा में 96, होशंगाबाद में 69, सोहागपुर में 81 एवं पिपरिया में 89 क्रिटिकल मतदान केंद्र बनाएं गए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया पर 48 घंटे पूर्व प्रचार प्रसार पर रहेगा प्रतिबंध:नर्मदापुरम. विधानसभा निर्वाचन के लिए 17 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। मतदान दिवस के 48 घंटे पूर्व अर्थात 15 नवंबर को शाम 6 बजे से इलेक्ट्रॉनिक और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर राजनैतिक प्रचार प्रसार पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। उल्लंघन की दशा में आरपी एक्ट सेक्शन 126 बी के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुए कार्यवाही की जाएगी। सभी से आग्रह हैं कि आयोग के निर्देशों का गंभीरता से पालन कराएं।

निर्वाचन के लिए 17 को होगा मतदान, जिला प्रशासन की सभी तैयारियां पूर्ण

नर्मदापुरम।विधानसभा निर्वाचन के लिए 17 नवंबर को जिले के मतदाताओं द्वारा मतदान किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह के निर्देशन में निर्वाचन की सभी तैयारियां पूर्ण की गई है। जिले में कुल 1187 मतदान केंद्र बनाए गए हैं जिनमें मतदाताओं की सुविधाओं के लिए रैंप, पेयजल , शौचालय आदि सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है।

जिले में कुल 5224 कर्मचारी मतदान संपन्न कराएंगे। जिले की चारों विधानसभा में निर्धारित कुल 1187 मतदान केंद्रों पर 1306 मतदान दल नियोजित किए गए हैं, जिनमें 698 मतदान केंद्रों पर पुरुष, 208 केंद्रो पर केवल महिलाएं एवं 281 मतदान केंद्रों पर दो पुरुष और दो महिलाएं मतदान कराएंगे। साथ ही 119 मतदान दल रिजर्व रखे गए हैं। सभी मतदान कर्मचारियों को ईवीएम के संचालन सहित मतदान संबंधी दायित्वों के बारे में दो-दो बार प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

मतदान के लिए 547 वाहन अधिग्रहित

विधानसभा चुनाव में होने वाले मतदान के लिए बड़े तथा छोटे वाहनों का अधिग्रहण किया गया है, जिससे मतदान दल, सुरक्षा कर्मी, ईवीएम मशीन तथा सेक्टर ऑफिसर के आने जाने में सुगमता रहे। इसी तरह मतदान ले लिए कुल 547 वाहनों को अधिग्रहित किया गया है, जिसमे पुलिस बल तथा मतदान दल के लिए 373 यात्री बसे, सेक्टर ऑफिसर के लिए 164 छोटे यात्री वाहन, एवं ईवीएम मशीन के लाने ले जाने के लिए 10 कंटेनर अधिग्रहित किए गए है।

750 मतदान केंद्रों पर होगी वेबकास्टिंग..

जिले में कुल 1187 मतदान केंद्रों में से लगभग 750 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग(लाइव स्ट्रीमिंग)की जाएगी। जिसकी कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम से मतदान केंद्रों पर निगरानी की जाएगी। मतदान के दिन सूचनाओं के त्वरित आदान प्रदान के लिये जिला स्तर व विधानसभा स्तर पर कम्यूनिकेशन टीम बनाई गई है। इस टीम में नियुक्त अधिकारी कर्मचारी मतदान केन्द्रों तक मतदान दलों के पहुँचने की जानकारी, मॉकपोल होने की जानकारी, उसके बाद मतदान शुरू होने, मतदान का प्रतिशत जैसी जानकारियां मतदान केन्द्रों पर नियुक्त कर्मचारियों से चर्चा कर संकलित करेंगे।

मतदाताओं को किया गया मतदाता पर्ची का वितरण: कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि सभी मतदाताओं को बीएलओ के माध्यम से मतदाता पर्ची का वितरण किया जा रहा है। साथ ही परिवारों को वोटर गाइड भी दी जा रही है। जिले में अभी तक 918345 मतदाताओं को मतदाता पर्ची का वितरण किया जा चुका है जोकि कुल मतदाताओं का 97 प्रतिशत है। शेष मतदाताओं को भी मतदाता पर्ची का वितरण करा दिया जाएगा।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम.. निर्वाचन के दौरान मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम डॉ गुरकरन सिंह ने बताया कि जिले में मतदान केंद्रों के लिए 1306 जवानों का बल एवं 1187 विशेष पुलिस अधिकारी तैनात किए गए। जिन्हें निर्वाचन संबंधी दायित्वों के बारे में प्रशिक्षण भी दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिनमें 504 प्रधान आरक्षक/ आरक्षक, 79 महिला आरक्षक , 186 जिला होमगार्ड, 342 कर्नाटक होमगार्ड, 1470 सीएपीएफ सेक्शन एवं 1187 विशेष पुलिस अधिकारी का बल तैनात किया गया हैं। उन्होंने बताया कि जिले से बाहर प्राप्त केंद्रीय एवं अन्य बलों के जवानों को भी तैनात किया गया हैं, जिनमें पुलिस मुख्यालय से प्राप्त 115, आरएपीटीसी के 70, 17वीं वाहिनी सी कंपनी भिंड के 80, केंद्रीय पुलिस बल जिनमें आरपीएसएफ 1/2, आईटीबीपी 1/2, बीएसएफ 5 एवं तमिलनाडु एएसपी 05 , जिला होमगार्ड 186 एवं कर्नाटक होमगार्ड 740 शामिल हैं। सभी बलों को तैनात मतदान केंद्रों पार तैनात करने के लिए व्यवस्थित प्लान बनाया गया हैं।

सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारी रहेंगे मुस्तैद.. जिले के चारों विधानसभा में सुचारू रूप से मतदान संपन्न कराने के लिए सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। पिपरिया विधानसभा में 34, सिवनीमालवा में 31, होशंगाबाद में 22 एवं सोहागपुर विधानसभा में 33 सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारी नियुक्त किए गए हैं जो मतदान दलों से सतत समन्वय बनाकर किसी भी प्रकार की परेशानी का तत्काल निराकरण करेंगे। सभी सेक्टर अधिकारियों को एक-एक अतिरिक्त ईवीएम मशीन भी दी जाएगी। जो एवं संबंधी खराबी की सूचना होने पर सुधार एवं रिप्लेसमेंट की कार्यवाही करेगें। ईवीएम संबंधी खराबी के त्वरित निराकरण के लिए चारों विधानसभा में दो-दो बेल के इंजीनियर भी मौजूद रहेंगे जो सूचना प्राप्त होने पर शीघ्र केंद्रों पर पहुंचेंगे। बेल इंजीनियर के पास भी एक-एक अतिरिक्त ईवीएम मशीन रहेगी।

फोटोयुक्त 12 दस्तावेजों में से कोई एक दिखाकर भी मतदाता कर सकेंगे मतदान

केवल मतदाता पर्ची के आधार पर नही कर सकेंगे मतदान

नर्मदापुरम। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी निर्वाचन क्षेत्रों में सभी मतदाताओं को, जिन्हें फोटो पहचान पत्र जारी किया गया है, उन्हें आगामी 17 नवम्बर को मतदान से पहले मतदान केंद्र पर अपनी पहचान के लिए फोटो पहचान पत्र अर्थात ईपिक प्रस्तुत करना होगा। केवल मतदाता पर्ची से मतदाता मताधिकार का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। मतदाता, जो फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने मतदाताओं से अपील की है कि वे मतदान के दिन ईपिक कार्ड या अन्य वैकल्पिक 12 दस्तावेजों में से कोई एक पहचान पत्र अवश्य लेकर जाएं ताकि मतदान के दौरान कोई परेशानी न हो।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने बताया कि मतदान ईपिक नहीं होने पर इन 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र अथवा राज्य सरकार अथवा पीएसयू अथवा सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक अथवा डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों, विधायकों को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी में से कोई एक दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकेंगे।

मेट्रो एंकर

राजनैतिक प्रचार प्रसार पर रहेगा प्रतिबंध

जिला मजिस्ट्रेट ने धारा 144 के जारी किए आदेश

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट नीरज कुमार सिंह ने आगामी विधानसभा निर्वाचन के लिए 17 नवंबर को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं स्वतंत्र मतदान प्रक्रिया संपन्न करने के लिए धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं जो 15 नवंबर को शाम 6:00 बजे से 17 नवंबर को शाम 6:00 बजे तक लागू रहेंगे।

जारी आदेशानुसार इस अवधि में किसी भी प्रकार की सार्वजनिक सभाएं एवं जुलूस आयोजित नहीं होंगे या इस प्रयोजनार्थ चुनाव प्रचार हेतु व्यक्तियों या व्यक्तियों का समूह एकत्रित नहीं होगा, परन्तु घर-घर जाकर जनसम्पर्क प्रतिबंधित नहीं रहेगा। चलचित्र, टेलीविजन, संगीत समारोह, नाट्य अभिनय या अन्य कोई मनोरंजन के साधनों से जनता के समक्ष निर्वाचन का प्रचार नहीं करेंगे।

उक्त अवधि में 5 या 5 से अधिक व्यक्ति क्षेत्र में एक साथ न तो एकत्रित होंगे और न ही आवाजाही करेंगे। निर्वाचन प्रचार हेतु समस्त अनुमतियां (वाहन सहित) दिनांक 15 नवम्बर, 2023 को सांय 06.00 बजे से स्वतः ही समाप्त हो जायेंगी ।

प्रचार अवधि समाप्त होने के तत्काल पश्चात ऐसा व्यक्ति या राजनैतिक प्रतिनिधि / पार्टी कार्यकर्त्ता या अन्य व्यक्ति जो बाहर से किसी पार्टी / अभ्यर्थी के प्रचार-प्रसार हेतु लाये गये हैं और उस विधानसभा क्षेत्र के वोटर नहीं हैं, वह उस विधानसभा क्षेत्र में नहीं रह सकते हैं और उन्हें तत्काल संबंधित विधानसभा क्षेत्र को छोड़ना होगा। धर्मशाला, लॉज, होटल, रिसोर्ट, मैरिज गार्डन, परिणय वाटिका के संचालक किसी भी बाहरी व्यक्ति हो किसी अभ्यर्थी / दल के पक्ष में चुनाव प्रचार कार्य में संलग्न हैं और वह उस विधानसभा क्षेत्र के मतदाता नहीं है, को अपने परिसर में नहीं ठहरायेंगे संबंधित थाना प्रभारी इसका पालन उक्त परिसरों का निरीक्षण कर सुनिश्चित करेंगे तथा ठहरने वालों का सत्यापन करेंगे । पुलिस तथा आबकारी विभाग अवैध मदिरा पकड़ने हेतु विशेष अभियान चलायेंगे । कोई भी व्यक्ति दिनांक 15 नवम्बर, 2023 सांय 06.00 बजे से (मतदान समाप्त होने वाली अवधि के 48 घण्टे पूर्व) किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग बिना अनुमति के नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति मतदान केन्द्र से 100 मीटर की परिधि के भीतर किसी भी प्रकार के राजनैतिक प्रचार हेतु दीवार लेखन, भित्तिचित्र का निशान, झण्डा, बैनर नहीं लगायेगा और न लगाने का प्रयास ही करेगा । केवल मतदान के दिवस हेतु निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अध्यधीन प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए एक वाहन, एक वाहन उसके निर्वाचन अभिकर्ता के लिए तथा एक वाहन उसके कार्यकर्त्ताओं हेतु (कुल 3) की अनुमति की पात्रता एक अभ्यर्थी को होगी। किसी भी अन्य नेता (राजनैतिक व्यक्ति) को किसी भी अन्य वाहन के प्रयोग की अनुमति नहीं दी जायेगी। अनुमति दिये गये प्रत्येक वाहन में 5 से अधिक व्यक्ति (चालक सहित) नहीं बैठेंगे । दिये गये वाहन अनुज्ञा को सामने विण्ड स्क्रीन पर मूल प्रति (कलर्ड फोटोकॉपी नहीं) चिपकाकर प्रदर्शित करना होगी। यदि अभ्यर्थी निर्वाचन क्षेत्र में अनुपस्थित है, तो उसको आवंटित वाहन का उपयोग कोई अन्य व्यक्ति नहीं करेगा । कोई भी व्यक्ति अभ्यर्थी, राजनैतिक दल, एजेण्ट किसी भी प्रकार से वोटरों का परिवहन नहीं करेंगे या निःशुल्क वाहन की सुविधा उपलब्ध नहीं करायेंगे । यह कृत्य लोक प्रतिनिधित्व की धारा-133 तथा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा-125 (5) के अन्तर्गत अपराध की श्रेणी में होकर दण्डनीय है। यह हर प्रकार के वाहनों, टैक्सियां, निजी वाहनों, ट्रकों, ट्रैक्टरों, ऑटो रिक्शों, स्कूटर, मोटर साइकिल, मिनी बस, साइकिल इत्यादि पर भी लागू होगा। इस प्रकार के वाहनों की तत्काल जब्ती की कार्यवाही की जावेगी. कोई भी वाहन मतदान केन्द्र की 200 मीटर की परिधि के भीतर प्रवेश नहीं करेगा। यदि वह स्वयं अपने या परिवार के सदस्यों को मताधिकार का प्रयोग करने हेतु भी ले जा रहा है, उस स्थिति भी यह प्रतिबंध लागू रहेगा ।

मतदान के दिन अस्पताल वेन, एम्बुलेंस, दूध व पानी के टैंकर विद्युत आपात्कालीन ड्यूटी के वाहन, पुलिस, निर्वाचन ड्यूटी पर अधिकारी, हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, अस्पताल हेतु टैक्सी, दिव्यांग व्यक्तियों के वाहन, निर्वाचन कर्तव्यबद्ध अधिकारी के वाहन इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे।

आनंदपुर में अपने खिलाफ फैलाई जा रही अफवाहों पर विधायक का पलटवार

तुम्हारे पास धन मेरे पास जन, उमाकांत ने कहा विकास से समझौता न करें

अनुसूचित जाति मोर्चा का सम्मेलन आयोजित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर विधायक उमाकांत शर्मा के खिलाफ फैलाई जा रही अफवाहों, उन्हें कथित तौर पर बदनाम करने के मामले में आनंदपुर में अनुसूचित जाति मोर्चा के सम्मेलन में विधायक ने पटवार किया। कहा यह चुनाव पूंजीपति और गरीब ब्राह्मण के बीच है। उनके पास दंगल है मेरे पास जनता की ताकत है। हम राम को मानने वाले हैं वह राम को काल्पनिक बताने वाले हैं। सम्मेलन के दौरान विधायक ने जनता और कार्यकर्ताओं से क्षमा की याचना करते हुए कहा कि मैं मानता हूं मुझसे गलतियां हुई है, लेकिन मेरी भूलों की वजह से लक्ष्मीकांत जी के अधूरे सपने और क्षेत्र के विकास के साथ कोई समझौता नहीं कीजिए। जवाब दिलाता हूं कि बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग के लिए हमेशा माननीय लक्ष्मीकांत जी की तरह काम करता रहूंगा। स्वर्णिम विधानसभा क्षेत्र विधानसभा बनाने का संकल्प मेरे जीवन का अंतिम लक्ष्य है।

सोशल मीडिया और कांग्रेस के दुष्प्रचार के खिलाफ उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का पर्व है। यह व्यक्तिगत नहीं बल्कि विचारधारा की लड़ाई है। चुनाव को चुनाव की तरह लड़ना चाहिए व्यक्तिगत आरोप लगाने और बदनाम करने का काम हम भी कर सकते हैं लेकिन हम कोई ऊंची राजनीति करके चुनाव नहीं लड़ना चाहते। वे पूंजीपति है धनवल का उपयोग करके तकनीक के सहारे फर्जी वीडियो बनाकर मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। कभी कहते हैं कि मैं फलां जाति के लिए कुछ बोल दिया,फलां व्यक्ति को डांट दिया। मैं कहना चाहता हूं सिरोंज लटेरी की जनता मेरा परिवार है। सारे बच्चे मेरे स्टार प्रचारक। परिवार में किसी से नाराज हो जाए तो उसे डांट फटकार कर समझाया जाता है और माफ भी किया जाता है। ये कांग्रेसी क्या समझेंगे कि परिवार का भाव क्या होता है वह परिवार जो लक्ष्मीकांत जी ने अपने आदमी है तो पूर्ण भाव से विधानसभा के हर गांव से जुड़कर हर परिवार से जोड़कर बनाया है।

आनंदपुर में अंबेडकर प्रतिमा लगाएंगे, लटेरी को तहसील बनाएंगे, जिला बनाने के लिए भी पूरी ताकत से जुड़ जाएंगे

बुधवार को लटेरी के आनंदपुर कस्बे में भाजपा के अनुसूचित जाति मोर्चा के सम्मेलन में विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि संत रविदास और अनुसूचित जाति को सम्मान देने के लिए सागर में 100 करोड़ का रविदास मंदिर मोदी जी की पहल पर बन रहा है। अंबेडकर जी से जुड़े पांच स्थानों को पंच तीर्थ घोषित करने का काम भी मोदी सरकार ने किया। लटेरी में रविदास मंदिर और सामुदायिक भवन बड़ रहा है। मैं विश्वास दिलाता हूं अगली बार आनंद पर में सामुदायिक भवन बनाएंगे। विधायक ने आनंदपुर के लिए बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि भविष्य में आनंदपुर को तहसील बनाने और कॉलेज खोलने के लिए वे विधानसभा में पूरी ताकत लगाएंगे। इसके अलावा काला देव में दशहरा मैदान में स्टेडियम बनाने के साथ इस विधानसभा को रेल से जोड़ने और जिला बनाने के लिए भी जुट जाएंगे।

प्रतिद्वंदी प्रत्याशी के चचेरे भाई के बाद ग्रह ग्राम के कांग्रेस नेता बीजेपी में आए, निर्दलीय ने भी दिया समर्थन

निर्दलीय प्रत्याशी हेमंत कुशवाह चुनाव मैदान छोड़कर साथियों सहित भाजपा के समर्थन में आ गए। इसके अलावा भाजपा नेता राम मोहन पाराशर और रुपेश यादव जैसे नेता भी अपनी नाराजी छोड़कर मंच पर नजर आए और भाजपा को जिताने के लिए संकल्पित हुए। प्रतिद्वंदी प्रत्याशी गगनेंद्र सिंह के ग्रह ग्राम परवलिया के कांग्रेस नेता वीरेंद्र सिंह ने भी बीजेपी का दामन थामा। इसके पहले गगनेंद्र सिंह के चचेरे भाई जितेंद्र सिंह पहले ही कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आ चुके हैं।

दो दर्जन से अधिक गांवों में पहुंचे कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी, मतदाताओं ने दिया आशीर्वाद

विधानसभा चुनाव जीतने के लिए सभी प्रत्याशियों के द्वारा पूरी ताकत लगा दी है ।बुधवार को कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी ने असद खेड़ी सहित दो दर्जन से अधिक ग्राम में पहुंचकर मतदाताओं से सीधा संपर्क करते हुए माता बहनों युवाओं से अपने लिए आशीर्वाद मांगा वही इनको आपने भी पाकर ग्रामीण भी बहुत खुश दिखाई दिए स्वागत करने के लिए ग्रामीण अपने हाथों में माला आदि लेकर खड़े हुए थे। वही गगनेंद्र रघुवंशी ने प्रत्येक घर पर पहुंचकर माता बहनों से आशीर्वाद लिया युवाओं से भी अपने लिए समर्थन मांगा वहीं युवाओं सहित ग्रामीणों ने आगे बढ़कर इनका स्वागत किया जिसको देखते हुए उनके चेहरे पर भी खुशी की चमक अगल ही नजर आ रही थी ।जिस तरह से कांग्रेस उम्मीदवार को वोटरो के द्वारा आशीर्वाद दिया जा रहा है जिसको देखते हुए विधानसभा क्षेत्र में परिवर्तन के कयास भी नजर आ रहे हैं। डोर टू डोर घर घर जाकर इन्होंने संपर्क करते हुए कहा कि आपके बीच में बेटा और सेवक आया है जो चुनाव जीतने के बाद इसी तरह आप लोगों के बीच में रहेगा मुझे अपना पूरा जन समर्थन देकर विधानसभा में भेजने के लिए आशीर्वाद वोट के रूप में प्रदान करें । में सभी को विश्वास दिलाता हू हमेशा आपके बीच रहूंगा तन मन धन से क्षेत्र की सेवा बेटे के रूप में करूंगा । इसी तरह उनके समर्थन में कांग्रेस जिला प्रकोप प्रकोष्ठ अध्यक्ष इमरान सिंह कुशवाहा में तरवरिया कमलिया सहित कई गांवों में पहुंचकर कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी के पक्ष में वोट करने के लिए जनसंपर्क किया इसके अलावा इनकी पत्नी जिला पंचायत सदस्य पार्वती रघुवंशी ने भी धुआंधार प्रचार करते हुए पति के लिए मतदाताओं के घर-घर पहुंचकर वोट मांगे।

चंद्रोखर आजाद ने कहा- गुलामी की बेड़ियों में कब तक जियोगे भाजपा से बचने के लिए कांग्रेस को वोट देते हो, पर क्या पता वह फिर बिक जाए

यह लोग गरीब के लड़कों को आगे नही बड़ने देंगें क्योंकि इन्हें पता ही की गरीब का लड़का आगे बड़ गया तो इनकी दुकाने बंद हो जाएगी और मेरा प्रत्याशी गरीबों के लिए काम करेगा अमीरों का पिटठू बनकर काम नही करेगा यह बात भीम आर्मी प्रमुख आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चन्द्र शेखर आजान ने सिरोंज में हाफिज याकूब बस स्टैण्ड पर आयोजित अपने प्रत्याशी गब्बर सिंह की आम सभा को संबोधित करते हुए कही साथ ही कहा कि आखिर कब तक आप लोग गुलामी की बेडियों में रहोगे गुलामी की बेडियों से बाहर निकलों भाजपा से बचने के लिए आपने 2018 में कांग्रेस को वोट दिया पर क्या हुआ वहीं कांग्रेसी भाजपा में शामिल हो गए उनका क्या भरोसा फिर धोका दे जाए ।

ऐतिहासिक भीड़ थमी रही : चन्द्रोखर आजाद को सुनने गांव गांव से पुरूषों के साथ महिलाएं भी भारी संख्या में आमसभा में दोपहर 12 से ही जमा हो गई थी चन्द्रोखर आजाद के निर्धारित कार्यक्रम 1 बजे से वह दो घंटा लेट सभा स्थल पर पहुंचे पर

उन्हें सुनने आई भीड़ तस से मस नहीं हुई और आजाद को सुनकर ही वापस गई इस दौरान आजाद के भाषण से वहा उपस्थित कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया।

वोट के अधिकार के कारण नेता आते है: चन्द्रोखर आजाद ने कहा कि संविधान के द्वारा हमें वोट का अधिकार दिया गया है यदि यह वोट का अधिकार न होता तो यह सत्ता में बैठे लोग कभी हमारे आगे पीछे नहीं आते कभी पैर नही छूते इस्लिए आप लोग अपने वोट का सही इस्तेमाल करो ताकि हम अपना अधिकार ले सकें और अपनी लड़ाई लड़ सकें यहां धन्ना सेठ और पैसे वालो से मुकाबला है आप कभी इसे हराने के लिए वोट करते हो कभी उसे हराने के लिए पर आप खुद को जिताने के लिए क्यों वोट नही करते आजाद ने अपने प्रत्याशी गब्बर सिंह को वोटकरने की अपील करते हुए उसे विधानसभा भिजवाने की मांग की।

वायरल ऑडियो पर भी बोले आजाद: गौरतलब है कि कुछ दिन पहले आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी गब्बर सिंह ऑडियो वायरल हुआ था जिससे शहर एवं ग्रामीण आंचल में खासा चर्चाएं भी थी जिसका असर भी गब्बर सिंह पर पड़ सकता है इसी ऑडियो को लेकर मंच पर आते ही भीम आर्मी प्रमुख चन्द्रोखर आजाद ने कहा कि आडियों वायरल करके हमारे प्रत्याशी को बदनाम करने की साजिश की जा रही है पर हम डरने वाले नही गौरतलब है कि भाजपा से कुछ दिन पहले ही कांग्रेस में आए डॉ. विनोद के साथ गब्बर सिह का ऑडियो चर्चाओं में आया था।

चुनावी शोरगुल थमा, सभी प्रत्याशी डोर टू डोर कर रहे संपर्क, झोकी पूरी ताकत

प्रशासन के सामने निष्पक्ष रूप से चुनाव कराने की बड़ी चुनौती होगी क्योंकि चुनाव में शराब और कबाब का खेल भी जोर-शोर से चलता है। 2 दिनों तक कई प्रत्याशियों के द्वारा माहौल को अपने पक्ष में करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। इसको रोकने के लिए पुलिस प्रशासन के द्वारा जगह-जगह सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए गए हैं। अवैध रूप से कई स्थानों से शराब को पकड़ने का काम भी पुलिस ने किया। बाहरी व्यक्तियों के रुकने पर भी कलेक्टर ने रोक लगाने का आदेश जारी किया है जिसका पालन करवाने के लिए पुलिस भी चेकिंग करती हुई नजर आई फ्लैग मार्च भी निकाला होटलों की तलाश भी पुलिस के द्वारा ली गई । दूसरी ओर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए 14 प्रत्याशियों ने नामांकन फार्म जमा किया था इनमें से कई प्रत्याशियों ने अपना अपना समर्थन भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों को दे दिया है। जिसके चलते काम उम्मीदवारी मैदान में बचे हुए मुख्य रूप से मुकाबला भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी उमाकांत शर्मा और कांग्रेस के प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी के बीच में होगा। इसके अलावा बहुजन समाज पार्टी तोष मणी पंथी , आजाद समाज पार्टी से गब्बर सिंह और समाजवादी पार्टी से असलम गौरी के साथ आम आदमी पार्टी से इसम सिंह मौर्य आदि मैदान में बचे हुए हैं। यहां पर हमेशा कांग्रेस और भाजपा के बीच में ही सीधी टक्कर बताई जा रही है । पहली बार विधानसभा का चुनाव कांटे की टक्कर का हो रहा है किस करवट ऊट बैठेगा इसका अंदाजा भी इस बार नहीं लगया जा सकता है। दोनों के बीच में कांटे की टक्कर बताई जा रही है। इसके कारण मतदाता भी पूरी तरह से साइलेंट हो गए और किसी के पक्ष में कुछ भी खुलकर नहीं बता रहे हैं। वहीं चुनाव से 48 घंटे पहले शराब दुकान बंद हो जाती है जिसके कारण शराब दुकान पर शराब लेने के लिए दिन भर मेल सा लग रहा 6 बजे के बाद शराब दुकान को 48 घंटे के लिए सील कर दिया गया है।

मेट्रो एंकर 72 किलकिल एक बरनेवल मतदान केंद्र बनाएं 15 पिंक बूथ बनाएं

चुनाव के लिए 50 रुटों से मतदान कर्मी आज सुबह रवाना, 1270 कर्मचारी लगे ड्यूटी में

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विधानसभा का चुनाव संपन्न करने 50 से अधिक बसों का अधिग्रहण साथ ही 15 मैजिक वाहनों और चार पहिया वाहनों को भी चुनाव के लिए प्रशासन में अधिग्रहण किया है। जिससे कि चुनाव में किसी भी तरह की समस्या वाहनों की कमी के कारण ना हो विधानसभा क्षेत्र 147 में 2 लाख 21 हजार 337 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे जिनके लिए के लिए 254 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान में लगे सभी मतदान कर्मियों को सुबह 8 बजे पॉलिटेक्निक कॉलेज में अपनी आमद शुरू यहां से सभी मतदान कर्मियों को मतदान सामग्री एवं ईवीएम मशीन आदि देकर मतदान दलों को अपने-अपने रूटों पर रवाना करने का काम शुरू। 254 मतदान दल चुनाव संपन्न कराएंगे 10 रिजर्व में मतदान कर्मियों और ईवीएम मशीनों को रखा गया है । इसके अलावा सेक्टर मजिस्ट्रेट के भ्रमण के लिए चार पहिया वाहनों का अधिग्रहण भी किया गया है 254 मतदान केदो को 26 सेक्टरों में विभाजित किया गया है इसके लिए 26 सेक्टर प्रभारी बनाए गए हैं 26 पुलिस सेक्टर प्रभारी भी बनाए गए हैं ,चार मजिस्ट्रेट की टीम भी इन केदो का लगातार

भ्रमण करेगी कहीं भी किसी भी तरह की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल टीम पहुंचेगी अतिरिक्त मतदान दल भी मौजूद रहेगा ईवीएम मशीन में कही कोई समस्या आती थी तत्काल यहां पर दूसरी ईवीएम,पीपीपेट मशीन पहुंचने का काम नहीं किया जाएगा अतिरिक्त पुलिस भर्ती मतदान केंद्रों पर तैनात रहेगा। शासन के द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न करने के लिए सुरक्षा के जबरदस्त इंतजाम किए गए हैं क्रिटिकल और बरनेबल वाला मतदान केदो पर अतिरिक्त बंदूकधारी तैनात जावन रहेंगे किसी भी तरह की वद उत्पन्न करने वालों पर तत्काल कार्रवाई होगी। शहरी क्षेत्र के 15 मतदान केदो को निर्वाचन आयोग के द्वारा पिंक वूथ बनाया गया है जहां पर च1ए च2ए च3ए च4 से लेकर अधिकांश महिला मतदान कर्मी तैनात होंगे साथ ही इनको पूरी तरह से गुब्बारो से सजाया जाएगा जिससे कि मतदाताओं को लोकतंत्र के महापर्व में अपना मत देने के लिए अलग ही माहौल यहां पर देखने को मिलेगा पिंक वूथो को आकर्षित रूप से सजाया भी जाएगा यहां आने बुजुर्गों दिव्यांग मतदान कार्यो के लिए विशेष एग्जाम में किए गए हैं।

भाई दूज की रही धूम, बसे नहीं चलने से हुई परेशानी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

बुधवार को नगर से लेकर ग्रामीण जिलों में भाई दूज का त्यौहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया घरों के बाहर गोबर के दोज बनाकर दूध दही,खीर पुरी आदि का भोग लगाकर पूजा अर्चना की इसके बाद बहनों से तिलक लगवाने के लिए भाइयों का तांता लगा रहा बहन भाई के प्रेम और स्नेह के रूप में भाई दूज का त्यौहार उत्सव पूर्वक मनाया गया। दूसरी ओर चुनाव में यात्री बसों का अधिग्रहण हो जाने के कारण भाइयों को अपने बहनों के घर तक पहुंचने में परेशानी हुई अधिक निजी वाहनों से भाइयों ने बहनों के घर पहुंच कर तिलक लगाया साथ ही उनकी रक्षा करने का वचन दिया बदले में भाइयों ने बहनों को उपहार भी दिए। इष्टो के दरबार में भी पहुंचकर पूजा अर्चना की।

सेक्टर अधिकारियों को दिए विशेष पुलिस अधिकारी

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों के मद्देनजर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने बुधवार को पुलिस परेड ग्राउंड में समस्त सेक्टर अधिकारियों और सेक्टर पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान सभी सेक्टर अधिकारियों को अतिरिक्त बल एवं विशेष पुरुष अधिकारी भी दिए गए। कलेक्टर सिंह ने सभी सेक्टर अधिकारियों को प्रमुख रुप से मतदान दिवस 17 नवंबर के 48 घंटे पूर्व की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन को शांतिपूर्ण और सुचारू ढंग से संपन्न कराने में सेक्टर अधिकारियों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि मतदान दल अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर ही 16 नवंबर को रात्रि विश्राम करेंगे।

मदन सरकार के दरबार में अन्नकूट आयोजन

सिरोंज। नगर के प्रसिद्ध मंदिर मदन मोहन सरकार के दरबार में कार्तिक महोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। आकाशदीप दान के साथ सुबह शाम मंगल आरती होती है। प्रतिदिन अलग-अलग तरह के व्यंजनों का भोग सरकार को लगाया जाता है। वही दिवाली के बाद हर साल यहां पर अन्ना कूट का आयोजन होता है। मदन मोहन सरकार के दरबार में अन्ना कूट का आयोजन किया गया भगवान मदन मोहन सरकार को भोग लगाया गया इसके बाद मंदिर के प्रधान पुजारी नवनीत महाराज के घर से अन्ना कूट का बितराण किया गया जो रात्रि 8 बजे से प्रारंभ हुआ एवं रात 11 बजे तक चलता रहा । बड़ी संख्या में भक्ति ने सरकार के दरबार में पहुंचकर दर्शन किए फिर अन्नकूट की प्रसादी ग्रहण की।

न्यूजीलैंड से जीतने के बाद अब तीनों डिपार्टमेंट में हमारी टीम बेस्ट

टीम इंडिया मिथक तोड़ रही, क्योंकि खिलाड़ियों ने बैरियर ही तोड़ दिए

मुंबई, एजेंसी

वर्ल्ड कप में पहली बार लगातार 10वीं जीत पहली बार सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को शिकस्त सेमी में लगातार दो हार के बाद जीत और इससे पहले कई मिथकों का अंत, जैसे न्यूजीलैंड से न जीत पाने का मिथक। ये टीका है टीम इंडिया के माथे पर। आखिरकार हरा ही दिया, वो भी 70 रन से। वानखेड़े में खेले गए पहले सेमीफाइनल का पहला हिस्सा विराट का रहा। उन्होंने 117 रन बनाए। शतक 50वां, यानी सचिन से एक आगे। दूसरा हिस्सा शमी के नाम, 7 विकेट जो लिए। लेकिन आर्किटेक्ट तो रोहित ही रहे। रोहित पूरे टूर्नामेंट में हरावल दस्ते की तरह खेल रहे हैं। न अपना 50 देख रहे, न 100, बस बुनियाद तैयार कर दे रहे। ताकि घुड़सवार दस्ता आए तो अपना कौतुक दिखा जाए। इस मैच में भी रोहित ने यही किया। 29 गेंद में 47 रन। बाकी श्रेयस का 105 रन और शुभमन के 80 रनों के बूते टोटल 397 रन का तो कर ही दिया था, जो किसी भी टीम के पेशानी पर पसीना ला ही दे। वैसे ये किसी नॉकआउट मैच बोर्ड पर टंगा सबसे बड़ा नंबर भी था। इस वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम से इर्द-गिर्द दो नकारात्मक मिथक जुड़ गए थे। टीम में 20 साल से न्यूजीलैंड को नहीं हरा पा रही थी। 2011 के बाद सेमीफाइनल नहीं जीत पा रही थी। इस बार भारत ने दोनों मिथक तोड़ दिए। टीम ने लीग स्टेज में कीवियों को 4 विकेट से मात दी। अब सेमीफाइनल में इसी प्रतिद्वंद्वी को 70 रन से हराकर घर वापस भेज दिया।

■ रोहित शर्मा टी-20 की कसर वनडे में पूरी कर रहे

2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान पहली बार टीम इंडिया की कमान संभाली। रोहित दबाव में दिखे और 6 मैचों में 106 के बेहद खराब स्ट्राइक रेट से 116 रन ही बना सके। टीम भी सेमीफाइनल में इंग्लैंड से हार गई। रोहित ने इस बैरियर को वनडे वर्ल्ड कप में तोड़ा। शुरुआती 10 ओवर में वह 133.08 के स्ट्राइक रेट से 354 रन बना चुके हैं। उनके नाम सबसे ज्यादा 21 छक्के और 42 चौके हैं। उन्हीं की तेज शुरुआत टीम इंडिया के बड़े स्कोर की नींव रख रही है। रोहित हर मैच में भारतीय पारी की पहली गेंद खेलते हैं और शुरुआत से ही वे प्रतिद्वंदियों पर ऐसे टूट पड़ते हैं जैसे पुराने जमाने के युद्ध में हरावल दस्ता अपनी निडरता से दुश्मनों को स्तब्ध कर देता था। हरावल दस्ता सैनिकों की उस टुकड़ी को कहा जाता था जिसके सैनिक मर मिटने के अंदाज में हमला करते थे। उनकी शहादत से जो बढ़त मिलती थी उससे पीछे मौजूद सैनिक का काम आसान हो जाता था। रोहित ने इस वर्ल्ड कप में सिर्फ 1 शतक जमाया है, लेकिन 10 में से 8 मैचों में उन्होंने टीम को शानदार शुरुआत दी।

■ हमारे पांचों गेंदबाजों के नाम 13+ विकेट

रोहित ने अपने गेंदबाजों को भी एग्रेसिव माइंडसेट के साथ खेलने के लिए इंस्पायर किया है। भारतीय गेंदबाज रन बचाने के लिए कम और विकेट लेने के लिए ज्यादा खेल रहे हैं। इसी का नतीजा है कि भारत के सभी पांच प्रमुख गेंदबाजों ने 13 या इससे ज्यादा विकेट लिए हैं। मोहम्मद शमी ने 23, जसप्रीत बुमराह ने 18, रवींद्र जडेजा ने 16, कुलदीप यादव ने 15 और मोहम्मद सिराज ने 13 विकेट लिए हैं। भारत इस टूर्नामेंट की इकलौती ऐसी टीम है जिसके पांच गेंदबाजों ने कम से कम 10 विकेट लिए हैं।

शमी 4 मैचों तक बेंच पर बैठे, 6 मैचों में टॉप विकेट टेकर बन गए

टीम इंडिया ने अपनी बैटिंग को नंबर-8 तक बढ़ाने के चक्कर में हार्दिक, जडेजा और शार्दूल ठाकुर के रूप में 3 ऑलराउंडर्स खिलाए। चौथे मैच में हार्दिक इंजर्ड हो गए, अगले मैच में उनकी जगह मोहम्मद शमी ने ली। शमी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही मैच में 5 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीत लिया। 2023 का वनडे वर्ल्ड कप शमी के लिए किसी सपने से कम नहीं है, उन्होंने 6 मैच खेले और केवल एक बार नीदरलैंड के खिलाफ विकेट नहीं ले सके। इसके अलावा उन्होंने 5 ही पारियों में 23 विकेट झटक लिए, इनमें तीन 5-विकेट हॉल और एक बार 4-विकेट भी शामिल है।

बुमराह नई गेंद से घातक, जब जरूरत तब विकेट दिलाते हैं

जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी में रोहित शर्मा बन चुके हैं। जिस तरह रोहित शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाकर बैटिंग का बेस बनाते हैं। बुमराह शुरुआती ओवरों में रन रोक कर साथी गेंदबाजों को खुलकर बॉलिंग करने का मौका देते हैं। बुमराह ने इंजरी से रिकवर होने के बाद वापसी की, टीम को डर था कि कहीं वह बीच टूर्नामेंट में फिर इंजर्ड न हो जाए। लेकिन उन्होंने सभी 10 मैच खेले, शुरुआती 15 ओवर में सबसे कम 3.14 की इकोनॉमी से रन खर्च किए।

■ कोहली को भी मिली डर के आगे जीत

इस वर्ल्ड कप में भारत की कामयाबी के पीछे कई किरदार रहे हैं। विराट कोहली ने 10 मैचों में 711 रन बना दिए हैं। वहीं, मोहम्मद शमी 6 मैच में 23 विकेट ले चुके हैं। अगर भारतीय टीम के खेल के पैटर्न पर नजर डालें तो यह सब रोहित की बेखौफ कप्तानी और उससे भी ज्यादा बेखौफ बल्लेबाजी की बदौलत मुमकिन हो रहा है। विराट कोहली सेमीफाइनल मैच से पहले कभी वनडे वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैचों में एक भी फिफ्टी तक नहीं जमा पाए थे। वर्ल्ड कप के 6 नॉकआउट मैचों में उनके नाम महज 65 रन थे। इस बार सीन बदल गया। जब पूरी टीम का अंदाज बेखौफ और बिंदास है तो कोहली क्यों पीछे रहते। फिफ्टी छोड़िए उन्होंने सेंचुरी जमा दी। यह उनके वनडे करियर की 50वीं सेंचुरी रही। वे इस वर्ल्ड कप में तीन शतक जमा चुके हैं। इससे पहले वह 3 वर्ल्ड खेलकर सिर्फ 2 शतक जमा पाए थे।

फाइनल मुकाबला 19 को

भारत ने इतिहास रचते हुए वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में जगह बना ली है। टीम को इससे पहले लगातार 2 सेमीफाइनल में हार मिली थी। फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। टीम इंडिया का सामना किससे होगा, ये आज साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले सेमीफाइनल मैच से तय होगा। विराट कोहली ने सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 117 रन बनाए, यह उनका इस वर्ल्ड कप में तीसरा शतक रहा। इसी के साथ विराट के टूर्नामेंट में 711 रन हो गए, वह एक वर्ल्ड कप में 700 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 7 विकेट लिए और अब 6 ही मैचों में उनके नाम 23 विकेट हो चुके हैं। रोहित शर्मा ने 4 छक्के लगाए और उनके नाम टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 28 सिक्स हो गए।

मुंबई में 'शमी शो' के बाद कोलकाता में चैंपियन बनाम चोकर्स भिड़ंत

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में शमी शो,की बदौलत टीम इंडिया ने बुधवार को न्यूजीलैंड को 70 रनों के बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल में हारने के मिथक को तोड़कर चौथी बार वनडे वर्ल्ड में अपनी जगह पक्की कर ली है। क्रिकेट के नजरिये से टीम इंडिया ने इसी के साथ साल 2019 में न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार का बदला ले लिया। अब दूसरे सेमीफाइनल में आज कोलकाता के ईडन गार्डन में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत होनी है।दोनों ही टीमों ने लीग स्टेज के 9 में से 7-7 मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। हालांकि दोनों टीमों का लीग चरण में भी आमना सामना हुआ था जिसमे अफ्रीका टीम ने बड़ी जीत हासिल की थी।5 बार

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टीम की टूर्नामेंट के आगाज में ही टीम इंडिया से मिली शिकस्त के बाद लगातार दूसरी हार थी। शुरुआती 2 हार के बाद ऑस्ट्रेलिया टीम ने दमदार वापसी दर्ज की है। वहीं अफ्रीका टीम को नीदरलैंड व टीम इंडिया के खिलाफ मुंहकी खानी पड़ी थी।अगर हम दोनों ही टीमोंको मिली शिकस्त पर नजर डालें तो फिर अफ्रीका टीम धमाकेदार बल्लेबाजी क्रम के बावजूद दोनों ही मौकों पर चेस करने में नाकाम रही है, जबकि ऑस्ट्रेलिया टीम एक बार स्कोर बचाने व एक बार चेस न करने की वजह से हारी हैं। आज होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में भले ही एक टीम कई बार की चैंपियन के तमगे के साथ मैदान में उतरेगी, जबकि दूसरी टीम चोकर्स का दाग धोने के इरादे से उतरने वाली है। दोनों ही टीमों के नजरिए भलेही अलग

अलग हों लेकिन इनका मिशन वर्ल्ड कप फायनल में जगह बनाना ही है ।मेरे नजरिये में आज के इस मैच में भी टॉस का किरदार पहले सेमीफाइनल की तरह निर्णायक साबित हो सकता है।दोनों ही टीमें टॉस जीतकर अपनी दमदार बल्लेबाजी की बदौलत स्कोर बोर्ड प्रेशर का लाभ लेना चाहेंगी।

मेट्रो बाजार

बजाज फाइनेंस पर आरबीआई ने लोन मंजूरी व डिस्ट्रीब्यूशन पर लगाई रोक

मुंबई, एजेंसी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बजाज फाइनेंस को अपने दो लोन प्रोडक्ट - ईकॉम और इंस्टा ईएमआई के तहत लोन की मंजूरी देने और डिस्ट्रीब्यूशन को तुरंत रोकने लिए कहा है। जानकारी के मुताबिक, बजाज फाइनेंस ने डिजिटल लोन गाइडलाइन के मौजूदा प्रावधानों का पालन नहीं कर रहा है, जिसके कारण यह कार्रवाई की है। केंद्रीय बैंक ने बजाज फाइनेंस को कमियां दूर करने के लिए कहा है, जिसके बाद लगाए गए प्रतिबंधों की समीक्षा की जाएगी। डिजिटल लोन के की-फैक्ट स्टेजमेंट में भी खामियां मिली थी। आरबीआई ने बयान जारी करते हुए कहा, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक्ट 1934 की धारा 45 एल (1) (बी) के तहत अपनी शक्तियों को यूज करते हुए बजाज फाइनेंस लिमिटेड को लोन की मंजूरी और डिस्ट्रीब्यूशन रोकने का निर्देश दिया है। यह आदेश बजाज फाइनेंस के दो लोन प्रोडक्ट ईकॉम और इंस्टा ईएमआई पर लागू होगा। रिजर्व बैंक के डिजिटल लोन गाइडलाइन के मौजूदा प्रावधानों का पालन न करने, विशेष रूप से इन दोनों लोन प्रोडक्ट के बॉरोअर्स को की-फैक्ट स्टेजमेंट इश्यू नहीं करने और डिजिटल लोन के की-फैक्ट

स्टेजमेंट में पाई गई खामियों के कारण यह कार्रवाई जरूरी हो गई है। आरबीआई के फैसले का असर देखने को नहीं मिला है। इस रोक के कारण बजाज फाइनेंस के शेयर में तेज गिरावट देखने को मिल सकती है। हालांकि, आज भी बजाज फाइनेंस का शेयर 1.95 फीसदी की गिरावट के साथ निफ्टी 50 का टॉप लूजर रहा।

115 शहरों में जियो एयर फाइबर की सर्विस शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस जियो की एयर फाइबर सर्विस देश के 8 राज्यों के 115 शहरों में शुरू हो गई है, जिसमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात और आंध्र प्रदेश के शहर शामिल हैं। कंपनी ने इसके बारे में ऑफिशियल वेबसाइट पर जानकारी दी है। इससे पहले यह सर्विस 8 शहरों- अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में शुरू हुई थी। रिलायंस जियो ने 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के दिन अपनी एयर फाइबर सर्विस लॉन्च को लॉन्च किया था। एयर फाइबर की खासियत इसकी पोर्टेबिलिटी है। यूजर इसे किसी भी लोकेशन पर ले जाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि वहां पर 5त्न कनेक्टिविटी होनी चाहिए। रिलायंस जियो के मुताबिक, उनका एयर फाइबर चलते-फिरते ब्रॉडबैंड जैसी स्पीड देने में सक्षम है। अभी जियो, एयरटेल सहित अन्य कंपनियों के ऑप्टिक वायर टेक्नोलॉजी पर बेस्ड फाइबर शहरों तक ही सीमित हैं, लेकिन एयर फाइबर बिना किसी वायर के इंटरनेट प्रोवाइड करता है। ऐसे में एयर फाइबर के जरिए हाई-स्पीड इंटरनेट आसानी से दूर दराज के इलाकों में पहुंच सकेगा। जियो फाइबर ऑप्टिक वायर टेक्नोलॉजी पर बेस्ड हैं। इसके जरिए इंटरनेट प्रोवाइड करने के लिए कंपनी घर/ऑफिस में एक राउटर इंस्टॉल करती है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

सोमी अली बोली- हर 7 साल बाद गर्लफ्रेंड बदलते हैं सलमान

सोमी अली के हिसाब से सलमान ने शादी इसलिए नहीं की है, क्योंकि वो किसी भी रिश्ते से जल्दी बोर हो जाते हैं। वो किसी भी लड़की के साथ 6-7 साल तक रिलेशनशिप में रहते हैं, फिर दूसरी नई गर्लफ्रेंड बना लेते हैं। ये बात सोमी ने एक इंटरव्यू में कही थी। ये पहली बार नहीं है कि सोमी ने सलमान पर अपनी भड़ास निकाली। इससे पहले भी वो सलमान पर हमलावर होती रहती हैं। वो और सलमान करीब 6 साल रिलेशनशिप में रहे थे, फिर उनका ब्रेकअप हो गया था। सोमी का यह इंटरव्यू 2 साल पुराना है। सिनेस्पीक्स यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया था कि करियर में इतने हिट होने जाने के बावजूद सलमान शादी क्यों नहीं कर रहे हैं। इस पर सोमी ने कहा था- सलमान की ये प्रॉब्लम है कि उन्हें अलग-अलग मुल्कों की लड़कियां पसंद हैं। वो किसी भी लड़की के साथ 6-7 साल रहते हैं, फिर ऊब जाते हैं। हालांकि ये मेरा मानना है। फिर वो ग्लोब पर आंखें बंद कर उंगली रखते हैं व ग्लोब में जो देश आता है, वो उसमें से गर्लफ्रेंड पिक करते हैं।

सोमी ने लगाया था मारपीट करने का आरोप

सोमी ने सलमान पर मारपीट करने का आरोप लगाया था। उन्होंने एक पोस्ट की थी, इसमें उन्होंने लिखा था कि जब वो मुंबई में रहती थीं तो सलमान उन्हें मारते पीटते थे। साथ ही गाली भी देते थे। सोमी का कहना है कि उन्हें कई बार मेकअप से अपनी चोट छिपानी पड़ती थी। उन्होंने सिगरेट से जलाने का भी आरोप लगाया था। सोमी ने कहा था कि सलमान ने उनके साथ जो भी किया वो कोई अलग बात नहीं है क्योंकि उन्होंने कई लड़कियों के साथ ऐसा किया है। हालांकि बाद उन्होंने ये पोस्ट डिलीट कर दी थी।

सेल्फी लेने आए युवक को नाना ने मारा चांटा

वाराणसी में नाना पाटेकर ने एक युवक को थप्पड़ जड़ दिया। अभिनेता गेट-अप में दशाश्वमेध रोड पर शूटिंग स्पॉट पर खड़े थे। तभी एक युवक उनके बगल में आकर खड़ा हो गया और सेल्फी लेने लगा। इतने में नाना को गुस्सा आ गया और उन्होंने युवक को जोरदार थप्पड़ मार दिया। बाद में क्रू मेंबर ने उस शख्स की गर्दन पकड़कर उसे वहां से निकाला। वहां मौजूद किसी ने इसे कैमरे में कैद करके वायरल कर दिया है। जर्नी फिल्म की शुरुआत एक भक्ति गाने से हो रही है। नाना पाटेकर एक सीन के लिए दशाश्वमेध मार्ग पर खड़े थे। शूटिंग स्पॉट के आसपास सुरक्षाकर्मी खड़े थे। तभी सुरक्षाकर्मियों के बीच से एक युवक नाना पाटेकर के पास पहुंच गया। इसके बाद वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने युवक को शूटिंग स्थल से बाहर कर दिया। दोबारा शूटिंग शुरू हुई। नाना का मार्केट में घूमने का सीन था बताया जा रहा है कि दशाश्वमेध चौक पर जो शूटिंग हो रही थी उसमें नाना पाटेकर को मार्केट में घूमते हुए दिखाना था। इसलिए फिल्म निर्माताओं ने बनारस के दशाश्वमेध चौक को चुना था। इस घटना के बाद लगभग 1 घंटे तक दशाश्वमेध चौक पर शूटिंग हुई। अब तक फिल्म जर्नी की शूटिंग वाराणसी के अस्सी घाट, तुलसी घाट, दशाश्वमेध घाट और दशाश्वमेध चौक क्षेत्र में हो चुकी है।

अंकिता ने ढाई साल तक सुशांत का इंतजार किया, फिर वह नहीं लौटे

अंकिता लोखंडे ने कहा कि सुशांत से ब्रेकअप के बाद उन्होंने अपने कमरे से उनके सारे फोटो हटा दिए थे। अंकिता की मां ने उन फोटो को फाड़ दिया था। अंकिता ने कहा कि उन्होंने सुशांत का ढाई साल इंतजार किया। जब सुशांत लौट कर नहीं आए तो उन्होंने अपनी और सुशांत की फोटो हटाने का मन बना लिया। हालांकि, उनसे ये काम हो नहीं पाया। तब अंकिता की मां उनके कमरे में गईं और सारे फोटो फाड़ दिए। उस दिन अंकिता काफी ज्यादा रोई थीं। इस घटना के 6 महीने बाद अंकिता की लाइफ में विक्की जैन आए। अंकिता गम से उबरने में कामयाब रहीं और विक्की के साथ अपने रिश्ते को आगे बढ़ाया। अंकिता लोखंडे ने द्धश्चह्य हिंदी से बात करते हुए कहा- मैंने अपनी मां से कहा कि जब तक सुशांत है, उसकी जगह कोई नहीं ले सकता। मैंने ढाई साल तक उसका इंतजार किया। हालांकि एक दिन वो समय आ गया। मेरे घर में उनकी और मेरी साथ में काफी फोटो थीं।

दुकान के सामने खड़े युवक पर डंडे से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी इलाके में एक बदमाश ने दुकान के सामने खड़े युवक पर डंडे से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक राजीव शर्मा (32) ऋषिकुटी पिपलानी में रहते हैं और प्रायवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। मंगलवार की रात करीब 9 बजे वह एक दुकान के सामने खड़े थे, तभी मोहल्ले में रहने वाला छोटू नामक युवक उनके पास पहुंचा वहां खड़े होने का कारण पूछते हुए गाली-गलौज करने लगा। राजीव ने उसे गाली देने से मना किया तो छोटू ने उनके हाथ पर डंडे से हमला कर दिया। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया तो आरोपी मौके से भाग निकला। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने डोमिनेशन एरिया में सीआरपीएफ बल के साथ किया फ्लैग मार्च

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शाहजहांनाबाद नगरीय पुलिस भोपाल के मार्गदर्शन पर निरीक्षक उमेशपाल सिंह चौहान, एसआई पवन सेन के नेतृत्व में सीआरपीएफ बटालियन के साथ थाना शाहजहांनाबाद भोपाल के डोमिनेशन एरिया भोपाल टाकीज चौराहा, सैफिया कालेज रोड, बागमुंशी हुसैन, तीन मोहरा, पानी की टंकी, रेजीमेंट रोड, कबीटपुरा, कच्ची मस्जिद, इस्लामी गेट, ईदगाह हिल्स, मल्टी वाजपेयी नगर में आने वाले कुल 42 मतदान केन्द्रों जिसमें से 10 क्रिटिकल मतदान केन्द्रो का भ्रमण कर फ्लैग मार्च निकाला गया।

चौबीस घंटे में ई-रिक्शा समेत चार वाहन चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शहर में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान इलेक्ट्रिक रिक्शा समेत आधा दर्जन से ज्यादा वाहन चोरी हो गई। पुलिस के मुताबिक तलैया थानांतर्गत इंदिरा गांधी अस्पताल के सामने खड़ा अंसार खान उर्फ बिट्टू का इलेक्ट्रिक रिक्शा चोरी हो गया। यहीं पर भारत टाकीज स्थित दुकान के सामने से मंगल सिंह की मोटर सायकिल चोरी हो गई। पिपलानी थानांतर्गत रत्नागिरी स्थित पानी की टंकी के पास खड़ी अरविंद मिश्रा की बाइक और जम्बूरी मैदान स्थित पटाखा दुकान के पास से सुधीर की स्कूटर चोरी हो गई। जीटीबी काम्पलेक्स टीटी नगर से विशाल खंडेलवाल, कमला नगर स्थित पुलिस लाइन से रोहित रिछारे, पटेल नगर भानपुर से देवेंद्र यादव और गांधी नगर थानांतर्गत आसाराम नगर स्थित शराब दुकान के पास से कल्लू सिंह की मोटर सायकिल चोरी हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

क्राइम ब्रांच ने चाय बेचने वाले से बरामद किया सवा 3 किलो गांजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

चाय की दुकान की आड़ में गांजा की तस्करी करने वाले आरोपी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर तीस हजार रुपए कीमत का सवा तीन किलो गांजा जब्त किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि बरखेड़ी फाटक के पास सफेद टीशर्ट और नीले रंग की जींस पहना एक युवक खड़ा हुआ है, जिसके पास मादक पदार्थ गांजा हो सकता है।

रिटायर्ड अधिकारी के घर हुई डकैती के मामले में पुलिस को कंजरों पर संदेह

डकैती डालने वालों का नहीं लगा सुराग, विदिशा की तरफ भागे थे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित राजधानी परिसर फेस टू में डीआरडीओ के रिटायर्ड अधिकारी के घर सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात डकैती डालने वाले डकैतों का सुराग नहीं लग सका है। सूखीसेवनिया में एक बाइक मिलने से अनुमान है कि वारदात के बाद डकैत विदिशा की तरफ भागे हैं। पुलिस का अनुमान है कि वारदात को कंजर गिरोह ने अंजाम दिया है। हालांकि पुलिस वारदात के चौबीस घंटे बाद भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। पुलिस के अनुसार राम प्रकाश बिरमानी (76) डीआरडीओ से टेक्निकल इंजीनियर पद से रिटायर्ड हैं। वे राजधानी परिसर, कान्हा सइया में रहते हैं। वे जिस परिसर में रहते हैं वहां केवल तीन चार ही मकान है। उनका सबसे बड़ा मकान है। उन्होंने बताया कि घर में वे और उनका 36 साल का बेटा सालिन बिरमानी रहता है। पिता पुत्र सोमवार रात खाना खाकर सो रहे थे। रात करीब दो बजे के आसपास उनके घर के सामने आधा दर्जन बदमाश पहुंचे। बदमाशों ने आवाज दी। वे कह रहे थे कि अंकल दरवाजा खोलो नहीं तो जान से खत्म कर देंगे। राम प्रकाश ने दरवाजा नहीं खोला। दरवाजा नहीं खोलने से गुस्साए बदमाशों ने पत्थर फेंके पत्थर राम प्रकाश और उनके बेटे सालिन के सीने पर लगे थे। डर के कारण राम प्रकाश और सालिन ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और घटना की जानकारी डायल 100 को दी थी।

...तो जान का था खतरा

घटना की सूचना मिलते ही डायल 100 की टीम महज 12 मिनट के अंदर घटनास्थल पर पहुंच गई थी। पुलिस की आने की भनक लगते ही आरोपी माल बटोरकर निकल गए। इस दौरान अधिकारी और उनका बेटा अंदर के कमरे में सकुशल थे। यदि समय रहते पुलिस की टीम नहीं पहुंचती आरोपी लूटपाट की नियत से अधिकारी और उनके बेटे पर हमला कर सकते थे।

चुनाव ड्यूटी में लगा पुलिस बल

सूत्रों की माने तो डकैतों की तलाश के लिए थाने में पर्याप्त बल ही नहीं है। दरअसल, चौबीस घंटे के बाद राजधानी में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए थाने का अस्सी फीसदी स्टाफ चुनाव ड्यूटी में लगा हुआ है। इस स्थिति में थाने में थाना प्रभारी को मिलाकर आधा दर्जन पुलिसकर्मी बचें हुए है। अब महज कुछ ही पुलिसकर्मियों के भरोसे थाना क्षेत्र में आने वाली शिकायतों को सुना जा रहा है।

डीआरडीओ के रिटायर्ड अधिकारी के घर हुई थी डकैती

किराना दुकान का ताला तोड़ नगदी समेत सामान चोरी

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित सहकारी परिसर में किराना दुकान का ताला तोड़कर बदमाश बारह हजार रुपए की नगदी समेत किराना सामान चुराकर ले गए। पुलिस ने नकबजनी का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शैलेन्द्र अमरुते पिता मदनलाल अमरुते (31) ईशान पार्क पिपलानी में रहते हैं और सहकारी परिसर में सांई किराना स्टोर नाम से दुकान का संचालन करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 8 नवंबर की रात करीब 11 बजे उन्होंने अपनी दुकान बंद की थी। इसके बाद अपने घर चले गए। 9 नवंबर की सुबह दुकान पर पहुंचे तो शटर पर लगे ताले टूटे थे। दुकान के अंदर जाकर देखा तो सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था। गल्ले में रखे 10-12 हजार रुपए की नगदी एवं दुकान में रखा ड्राई फूड के पैकेट नहींड़थे। पिता की तबीयत खराब होने के कारण वे 9 नवंबर को शिकायत नहीं कर सके। घटना की शिकायत बुधवार को थाने पहुंचकर की थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

भेल क्वार्टर का दरवाजा तोड़कर जेवरात चोरी

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित डी सेक्टर गोविंदपुरा में भेल क्वार्टर का दररवाजा तोड़कर बदमाश जेवरात चुराकर ले गए। घटना के समय क्वार्टर में रहने वाला परिवार रिश्तेदार की मृत्यु होने के कारण दमोह गया हुआ था। पुलिस ने नकबजनी का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार भूपेश चौकीकर (35) मकान नंबर 650, डी सेक्टर पिपलानी में रहते हैं। उनके चाचा भेल में नौकरी करते हैं और उन्हीं की क्वार्टर में भूपेश परिवार के साथ रहते हैं। भूपेश प्राइवेट नौकरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उनके रिश्तेदार की गत 12 नवंबर को दमोह में मृत्यु हो गईड़थी। वे परिवार के साथ दमोह चले गए थे। वहां से बुधवार को लौटे तो पता चला कि क्वार्टर में पीछे किचन वाला गेट टूटा पड़ा है, वहीं अंदर रखा सामान बिखरा पड़ा है। बदमाश उनके घर से पुराने इस्तेमाली जेवरात चुराकर ले गए हैं।

मामूली विवाद में युवक पर छुरी से हमला, प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग इलाके में बच्चों के विवाद में एक युवक पर छुरी से हमला कर दिया गया। हमला करने के बाद बाद आरोपित मौके से भाग निकला। सूचना मिलने पर पुलिस ने धारदार हथियार से हमला करने का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपित की तलाश कर रही है। ऐशबाग पुलिस के अनुसार 19 वर्षीय मोहम्मद समीर जनता क्वार्टर में रहता है। वह अपने परिवार साथ घर में बैठा हुआ था, तभी पड़ोस में रहने वाला साहिल नाम का युवक घर में आया तथा समीर के भाई नवी को गाली दी। वह बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर धक्का-मुक्की करने लगा। नवी ने उसे ऐसा करने से रोका तो साहिल ने उस पर छुरी से हमला कर दिया। नवी ने हाथ से बचाव करने कोशिश की तो छुरी उसके हाथ में लग गई तथा ब्लीडिंग होने लगी। हमला करने के बाद साहिल चाकू लहराते हुए मौके से भाग निकला। स्वजन नवी को लेकर इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचे तथा पुलिस को भी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा जानलेवा हमला करने का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपित को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पैसों की तंगी से परेशान युवक ने लगाई फांसी

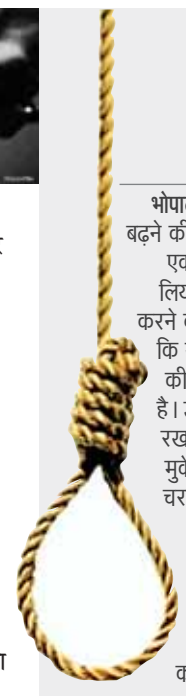

भोपाल। पैसों की तंगी और उधारी बढ़ने की वजह से परेशान कोलार के एक युवक ने मौत को गले लगा लिया। पुलिस ने परिजनों से बात करने का प्रयास किया तो पता चला कि युवक बीते कुछ दिनों से पैसों की तंगी के चलते परेशान रहता है। उसने अपनी बाइक भी गिरवी रख दी थी। पुलिस ने बताया कि मुकेश अहिरवार (18) पुत्र राम चरण अहिरवार गेहूंखेड़ा कोलार में रहता था और मजदूरी करता था। कर्ज चुकाने के उसने अपनी बाइक तक गिरवी रख दी। वह आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। वह कई बार खुदकुशी की बात भी कह चुका था।

ऑटो की टक्कर से स्कूटर सवार घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा इलाके में ऑटो की टक्कर से स्कूटर सवार एक युवक घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक अशोका गार्डन में रहने वाले नितिन जैन फार्मासिस्ट हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि मंगलवार सुबह करीब साड़े आठ बजे उनका भाई अभिषेक जैन किसी व्यक्ति की एक्टिवा पर बैठकर कैंसर अस्पताल से लालघाटी की तरफ जा रहा था। इसी बीच वीआईपी गेस्ट हाउस के के सामने कट पाइंट पर रोड क्रास करते समय तेज रफ्तार आटो चालक ने स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस टक्कर मारने वाले आटो चालक की तलाक कर रही थी।

मेट्रो एंकर मां बेटी को बेहोशी की हालत में जेपी अस्पताल लेकर पहुंची थीं

इंजीनियरिंग छात्रा की संदिग्ध मौत, पुलिस को गले में मिले फंदे के निशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर स्थित अंजली काम्प्लेक्स में बुधवार सुबह इंजीनियरिंग छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मां अपनी बेटी को बेहोशी की हालत में जेपी अस्पताल लेकर पहुंची थीं। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस का कहना है कि छात्रा के गले में फंदे के निशान स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं, लेकिन जब घर का अवलोकन किया गया तो वहां ऐसे हालत नजर नहीं आए, जिससे फांसी लगाने की पुष्टि हो। मर्ग कायम किया गया है। शार्ट पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण साफ हो सकेंगे।

पुलिस के मुताबिक अंजली काम्प्लेक्स टीटी नगर निवासी दर्शिता श्रीवास्तव पुत्री विष्णुप्रसाद श्रीवास्तव (21) इंजीनियरिंग छात्रा थी और अपनी मां के साथ रहती थी। बुधवार सुबह करीब 11 बजे मां पूजा करने में व्यस्त थीं जबकि दर्शिता दूसरे कमरे में कपड़े रख रही थी। पूजा करने के बाद जब वह कमरे में पहुंची तो दर्शिता को बेहोश पड़े देखा। उन्होंने उसे हिला कर देखा तो दर्शिता के मुंह से मम्मी शब्द निकला और वह बेहोश हो गई। पड़ोसियों की मदद से फौरन उसे जेपी अस्पताल ले जाया गया लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई थी।

पिता 20 साल पहले चले गए थे

एसआई शंकरलाल ने बताया कि दर्शिता के गले में निशान मिले हैं। ऐसा निशान फांसी लगाने पर ही आते हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण स्पष्ट हो जाएंगे। दर्शिता के पिता करीब 20 साल पहले परिवार को छोड़कर चले गए थे। उसकी मां ने दूसरी शादी की थी लेकिन दूसरे पति का भी कोरोना काल में निधन हो गया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022